संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 169
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
शनिवार 19 सितम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

तृणमूल कांग्रेस का नाम व चुनाव चिह्न फ्रीज

ममता व ऋतब्रत गुट ने चुनाव आयोग को सौंपे वैकल्पिक नाम

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की दो विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव से ठीक पहले भारत निर्वाचन आयोग ने 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' के नाम और उसके आधिकारिक चुनाव चिह्न 'जोड़ा फूल' पर अंतरिम रोक लगाते हुए उसे फ्रीज कर दिया है। इस फैसले के बाद आगामी 6 अक्टूबर को नंदीग्राम और रेजीनगर सीटों पर होने वाले उपचुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली 'कालीघाट-तृणमूल' और बागी 'ऋतब्रत-तृणमूल' में से कोई भी गुट पार्टी के मूल नाम और प्रतीक का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। आयोग ने दोनों पक्षों को शुक्रवार सुबह 11 बजे तक अपनी पसंद के तीन वैकल्पिक नाम और प्रतीकों की सूची जमा करने का निर्देश दिया था, जिसे दोनों पक्षों की तरफ से भेज दिए जाने की सूचना है। सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले कालीघाट गुट ने रात ईमेल के माध्यम से अपने पसंदीदा नामों और प्रतीकों का प्रस्ताव चुनाव आयोग को भेज

दिया है। हालांकि, कालीघाट शिविर ने किन नामों और चुनाव चिह्नों का चयन किया है, इसे लेकर अभी गोपनीयता बरती जा रही है और नामों का खुलासा नहीं हुआ है।

'वोट चोरी के बाद अब पार्टी चोरी': टीएमसी पर चुनाव आयोग के फैसले से भड़के राहुल गांधी

एजेंसी

कोलकाता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को लेकर निर्वाचन आयोग के फैसले पर हमला बोला। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के उपचुनावों के दौरान तृणमूल कांग्रेस के दोनों विरोधी गुटों को पार्टी का नाम और 'फूल और घास' चुनाव चिह्न इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि निर्वाचन आयोग की सांविधानिक जिम्मेदारी लोगों के जनादेश की रक्षा करना है। लेकिन इसके बजाय आयोग उन्हीं ताकतों की मदद कर रहा है, जो जनता के फैसले को पलटती हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस। हर बार एक ही तरीका अपनाया जाता है। भाजपा और निर्वाचन आयोग मिलकर एक पार्टी को बांटने के लिए साथ आते हैं। फिर उसका चुनाव चिह्न छीन लिया जाता है। राहुल गांधी ने कहा, जब एक पूरी पार्टी ही चुराई जा सकती है, तो यह हैरानी की बात नहीं है कि करोड़ों भारतीयों के वोट भी चुराए जा सकते हैं।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी। ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक बन गए हैं। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग की सांविधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है। लेकिन इसके बजाय, वह उन्हीं ताकतों की मदद कर रहा है, जो जनता के फैसले को पलटती हैं।

आईफोन की भीड़ देख सोनू सूद ने कसा तंज

कहा- असली अपग्रेड फोन का नहीं समाज का करो

एजेंसी

मुंबई । भारत में दिखावे के चक्कर ज्यादा खर्च करने का चलन नया नहीं है। शुक्रवार को भी एक नजारा दिखा, जब 'आईफोन 18 प्रो सीरीज' के फोन खरीदने के लिए सुबह से ही एप्पल स्टोर के बाहर ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इसे देखते हुए अभिनेता सोनू सूद ने लोगों को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि महंगे फोन से झूठी शान दिखाने और कर्जदार बनने से बेहतर है कि लोग अपनी गाढ़ी कमाई और ऊर्जा को समाज की भलाई में लगाएं। अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एप्पल स्टोर के बाहर ग्राहकों की भारी भीड़ दिख रही है। अभिनेता ने अपनी इस पोस्ट के जरिए लोगों को केवल स्मार्टफोन के दिखावे और कर्ज के जाल में फंसने के बजाय सामाजिक सुधार और दूसरों की मदद करने पर ध्यान केंद्रित करने की सीख दी है। उन्होंने लिखा, 'नया फोन, नई ईएमआई, वही पुराने बिल! शायद यह समय सिर्फ अपने फोन को अपग्रेड करने का नहीं, बल्कि समाज में कुछ सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कतार (लाइनों) में खड़े होने का है। असली अपग्रेड एक बेहतर समाज का निर्माण है।' बता दें कि एप्पल के नए आईफोन 18 प्रो सीरीज की बिक्री शुक्रवार सुबह 8 बजे से भारत में शुरू हो गई है। दिल्ली, नोएडा, मुंबई, बेंगलुरु और अन्य बड़े शहरों में एप्पल स्टोर और आधिकारिक दुकानों के बाहर लोग सुबह से लंबी कतारों में खड़े नजर आए। भारत में इसके बेस मॉडल की कीमत 1,64,900 रुपए से शुरू है। आईफोन 18 प्रो को लेकर पूरे देश में खुमार इस कदर है कि कई लोगों ने पहले से ही ऑनलाइन प्री-बुकिंग करा रखी थी।

यूपीआई शुल्क से आमजन की जेब पर बढ़ेगा बोझ

स्मार्ट स्कूल से पहले बुनियादी सुविधाएं जरूरी : मायावती

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 15 अक्टूबर से लागू होने वाली नई यूपीआई शुल्क व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यूपीआई डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के बाद अब इस पर शुल्क लगाने की व्यवस्था से आम जनता के खर्च पर असर पड़ सकता है। मायावती ने उत्तर प्रदेश में 14,429 परिषदीय विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल बनाने के लिए मंजूर करीब 300 करोड़ रुपये की योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि डिजिटल शिक्षा से पहले स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि यूपीआई डिजिटल लेनदेन को पहले खूब बढ़ावा देने

के बाद अब सरकार द्वारा उस लेनदेन पर शुल्क वसूलने की नई व्यवस्था लोगों की नजर में प्रथमदृष्टया मुनाफाखोरी के पूंजीवादी रवैये के तहत जनता से दोनों हाथों से टैक्स वसूली है, जिससे जनता में बेचैनी व आक्रोश स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि वैसे तो जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की इस व्यवस्था को 'कर' मानने को तैयार नहीं है, लेकिन 15 अक्टूबर से लागू होने वाली इस व्यवस्था को चाहे जो भी नाम दिया जाये, जेब तो अन्ततः आम जनता की ही कटेगी, उसका ही खर्च बढ़ेगा। मायावती ने कहा कि साथ ही, यह भी सर्वविदित है कि देश की बहुसंख्यक जनता अपार गरीबी व जबरदस्त महंगाई आदि की मार से त्रस्त है व उनके बच्चे अशिक्षा, बेरोजगारी व अव्यवस्था आदि से पीड़ित हैं; ऐसे में सरकार की नीति व कार्ययोजना लाभ कमाने वाली व्यावसायिक कम व कल्याणकारी ज़्यादा हो तो यह उचित होगा।

पंजाब के बटाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू के काफिले पर हमला

फेंके गए अंडे-टमाटर

एजेंसी

बटाला । पंजाब के बटाला में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू के काफिले पर हमला हुआ है। कुछ लोगों ने उनके काफिले पर अंडे और टमाटर फेंके। इस हमले के बाद बिट्टू ने आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं और तीन हमलावरों को पकड़ने का दावा किया है। रवनीत सिंह बिट्टू पर बटाला के घासीतपुर गांव के पास हमला हुआ है। वह ड्रग्स के खिलाफ भाजपा की यात्रा में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी बीच उनके काफिले पर हमला हुआ। कई लोगों ने अंडे और टमाटर फेंके। साथ ही, लोगों को नारेबाजी करते हुए देखा गया। बिट्टू ने दावा किया कि इस हमले में उनकी गाड़ी के शीशे भी टूटे हैं। घटनास्थल पर ही रवनीत बिट्टू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'आज हमें ड्रग्स के खिलाफ एक यात्रा निकालनी थी, क्योंकि आम आदमी पार्टी की सरकार और ड्रग एडिक्ट्स सब मिले हुए हैं। वे पिछले साढ़े चार साल से यही कर रहे हैं। वहां करीब 500 लोग थे। मैं अपनी गाड़ी से उनके बीच से गुजरा। मेरे पास जेड-प्लस सिक्योरिटी है और मेरे साथ करीब 100 सुरक्षाकर्मी होते हैं। सुरक्षा के लिए स्थानीय डीएसपी और एसपी भी पुलिस के साथ वहां मौजूद थे।' उन्होंने तीन लोगों को पकड़ने का दावा करते हुए कहा कि इन लोगों को फोन जब्त कर लिए गए हैं। उनके फोन चालू हैं, जिन पर लगातार कहा जा रहा था कि 'उन्हें घेरो, उन्हें मारो, उनकी जान ले लो।' उन्होंने गाड़ियों पर हमला किया और गाड़ियों की खिड़कियां तोड़ दीं। अंडे और टमाटर तो छोटी बात है।

पंजाब : ड्यूटी पर तैनात एसआई की गोली मारकर हत्या

तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान ने ली जिम्मेदारी

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर जिले में ड्यूटी पर तैनात असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर हरजीत सिंह के सर्वोच्च बलिदान देने पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि दुख की इस घड़ी में पंजाब सरकार शहीद के परिवार के साथ चट्टान की तरह खड़ी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लिखा, 'अमृतसर जिले में अपनी ड्यूटी निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर हरजीत सिंह की बहादुरी को दिल से सलाम... उनकी असीम हिम्मत और कर्तव्य के प्रति समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा। पंजाब सरकार दुख की इस घड़ी में शहीद के परिवार के साथ चट्टान की तरह खड़ी है। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा, 'पंजाब सरकार की ओर से परिवार को 1 करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि और

एचडीएफसी बैंक की ओर से 1 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बीमा भुगतान दिया जाएगा। हम अपने शहीदों और उनके परिवारों को हरसंभव मदद देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उनका सर्वोच्च बलिदान हम सभी को पूरी बहादुरी और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।'

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'अमृतसर जिले के हमारे बहादुर पुलिस अधिकारी एएसआई हरजीत सिंह ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। पंजाब पुलिस इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।' डीजीपी ने लिखा, 'मुख्यमंत्री ने उनके परिवार के लिए 1 करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की है और एचडीएफसी बैंक की ओर से उनके परिवार को 1 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बीमा भुगतान भी किया जाएगा।

'झूठ का प्रोपेगेंडा चला रहे राहुल गांधी'

यूपीआई भुगतान चार्ज पर कांग्रेस को भाजपा नेताओं का जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली । यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को समर्थन से कांग्रेस सांसदों के इनकार पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी झूठ का एक प्रोपेगेंडा चला रहे हैं। यूपीआई चार्ज विवाद पर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि विपक्ष जो कुछ भी कर रहा है, वह उसकी मजबूरी है, क्योंकि उसके पास कोई और काम नहीं है। चुनावों में जनता उन्हें लगातार पराजित करती है, तो राजनीति नैरेटिव बनाने के लिए विपक्ष ऐसे बयानबाजी करता है। हर विषय पर विपक्ष ने विवाद खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि यूपीआई से देश को बहुत बड़ा लाभ हुआ है। 95 प्रतिशत से अधिक लोग

यूपीआई ट्रांजेक्शन चार्ज से बाहर हैं। ऐसे में गलत बयानबाजी और आंकड़े देकर विपक्ष लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है।' बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा, 'किसी भी काम का विरोध करना कांग्रेस की नीयती बन चुकी है। आज डिजिटल भुगतान के माध्यम से देश में क्रांति आई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों में बताया गया कि 97 प्रतिशत लेनदेन डिजिटली हो रहा है। कांग्रेस के नेता, जो बयान दे रहे हैं, उसमें यूपीआई पर व्यक्ति से व्यक्ति एक भी रुपए चार्ज नहीं लगेगा। छोटे दुकानदार महीने में एक लाख रुपए तक की बिक्री यूपीआई के माध्यम से करते हैं तो उस पर भी चार्ज नहीं है। इससे ऊपर से यूपीआई पेमेंट पर जो चार्ज लगेगा, वह दुकानदार पर लगेगा। 'सरावगी ने कहा कि इससे आम जनता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 2 हजार रुपए तक के यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट को भी कोई चार्ज नहीं देना है। व्यक्ति से व्यक्ति कितना भी लेनदेन करें, उस पर कोई चार्ज नहीं है।

यूपीआई पर एमडीआर से जुड़े प्रस्ताव पर समर्थन देने से गौरव गोगोई और मनीष तिवारी के इनकार को लेकर भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा, 'दस्तावेज झूठ नहीं बोलते हैं। इस मामले का अध्ययन करने के लिए उस समय संसदीय उप समिति बनी थी और जो रिपोर्ट सौंपी गई थी, उसमें कांग्रेस के सांसदों ने भी समर्थन दिया था। इन नेताओं में पी. चिदंबरम, गौरव गोगोई और मनीष तिवारी भी थे। वे खुद से समिति में रहकर वकालत करते हैं यूपीआई भुगतान पर चार्ज होना चाहिए। बाहर निकलकर वे इनकार करते हैं। इसे बेशर्मी ही कहा जा सकता है।'

यूजीसी-नेट जून 2026 की फाइनल आंसर-की जारी

एनटीए ने दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । यूजीसी-नेट जून 2026 के इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी विषयों की फाइनल आंसर-की जारी कर दी गई है। इन विषयों की पुनर्परीक्षा 9 और 10 सितंबर को देशभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी संबंधित फाइनल आंसर-की जाकर देख सकते हैं। एनटीए ने एक बयान जारी कर बताया कि इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी विषयों की फाइनल आंसर-की जारी कर दी गई है, जिसे वेबसाइट पर देखा जा सकता है। इंग्लिश और कॉमर्स विषयों की पुनर्परीक्षा 9 सितंबर को आयोजित की गई थी। इंग्लिश का पेपर पहली शिफ्ट में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक, जबकि कॉमर्स का पेपर दूसरी शिफ्ट में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक हुआ था।

वहीं, सोशियोलॉजी की परीक्षा 10 सितंबर को पहली शिफ्ट में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की गई थी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी के प्रश्नपत्रों में कई गलतियां होने की शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों की जांच के लिए एक समिति गठित की गई थी।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश की संभावनाएं कम

वायु गुणवत्ता 'ग्रीन जोन' में बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमानों के अनुसार, अब

बारिश की संभावनाएं काफी हद तक कम हो गई हैं। आने वाले दिनों में आसमान में हल्के बादल छाए रह सकते हैं, जिससे लोगों को तेज धूप से कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, 18 सितंबर को दिल्ली का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) का स्तर 70 से 60 प्रतिशत के बीच रहेगा। इस दिन आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 19 और 20 सितंबर को भी मौसम लगभग इसी तरह का रहेगा। दोनों दिनों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हवा में नमी 19 तारीख को 70 से 55 प्रतिशत और 20 तारीख को 65 से 55 प्रतिशत रहने का अनुमान है। दोनों ही दिन आंशिक बादल छाए रहेंगे।

मौसम विभाग के मुताबिक, 21, 22 और 23 सितंबर को दिल्ली का आसमान और भी साफ हो जाएगा। इन तीनों दिनों में मौसम 'मुख्यतः साफ' रहेगा। तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

मौसम के साथ-साथ दिल्ली-एनसीआर की हवा की गुणवत्ता भी लोगों के लिए राहत भरी है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के आंकड़ों पर नजर डालें तो दिल्ली के विभिन्न इलाकों में हवा की गुणवत्ता 'ग्रीन जोन' यानी संतोषजनक श्रेणी में बनी हुई है। दिल्ली के प्रमुख मॉनिटरिंग स्टेशनों की बात करें तो आया नगर (62), बवाना (58), आशोक विहार (70), कैंटोनमेंट एरिया (71), कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (71), अलीपुर (74) और चांदनी चौक (83) में एक्यूआई 100 के नीचे यानी ग्रीन जोन में है।

कांग्रेस ने धामी सरकार पर उत्तराखंड अडाणी को बेचने का आरोप लगाया

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने उत्तराखंड की धामी सरकार को निशाना बनाते हुए धामी सरकार पर राज्य को गौतम अडाणी को बेचने का आरोप लगाया है ।कांग्रेस मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता ने पवन खेड़ा ने धामी सरकार पर आरोप लगाया कि उत्तराखंड में ज्वाइंट वेंचर के तहत थर्मल पावर प्लांट लगाने की योजना बनाई गई थी । जिसके तहत दो पब्लिक सेक्टर यूनिट - यूजीवीएन और टीएचडीसी मिलकर लगाएंगे जिससे उत्तराखंड में बिजली की आपूर्ति को और बेहतर बनाया जाए । लेकिन 1320 मेगावाट की इस परियोजना को उत्तराखंड में मंजूरी मिलने के छह महीने के अंदर ही ये कहकर बंद कर दिया गया कि इसे पीएसयू समय पर पूरा नहीं कर सकती। वहीं दूसरी तरफ़ गौतम अडाणी का अडाणी पावर लगभग हज़ार किलोमीटर दूर छत्तीसगढ़ के अमरकंटक में 1320 मेगावाट के एक थर्मल पावर प्लांट का अधिग्रहण कर रहा था। पवन खेड़ा ने उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार पर बिजली आपूर्ति का ये टेंडर नियमों में बहुत बड़ा परिवर्तन कर गौतम अडाणी को देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही यूपीसीएल पर 86 में से 84 नियमों को गौतम अडाणी के पक्ष में बदलने का भी आरोप लगाया जिससे राज्य के थर्मल पावर प्लांट को गौतम अडाणी को आसानी से बेचा जा सके।

पासपोर्ट पर नया नियम लागू

15 साल से कम उम्र के बच्चों का पासपोर्ट अब 5 साल तक रहेगा वैध

एजेंसी

नई दिल्ली । 15 साल से कम उम्र के बच्चों को जारी होने वाले साधारण भारतीय पासपोर्ट अब पांच साल या बच्चे के 18 साल का होने तक, जो भी पहले हो, तक वैध रहेंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा अधिसूचित नए नियमों के तहत यह बदलाव किया गया है। पासपोर्ट (संशोधन) नियम, 2026, भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया है, जो पासपोर्ट नियम, 1980 में संशोधित करता है। संशोधित नियम 12(1ए) के तहत, 15 साल से कम उम्र के बच्चे को जारी किया गया 36 पन्नों वाला साधारण पासपोर्ट जारी होने की तारीख से पांच साल की अवधि तक, या बच्चे के 18 साल

की उम्र पूरी होने तक, जो भी पहले हो, वैध रहेगा।15 सितंबर की अधिसूचना में पासपोर्ट आवेदन शुल्क से संबंधित नियम 8 में भी संशोधन किया गया है, जिसमें कहा गया है कि आवेदन की प्रत्येक श्रेणी के लिए देय शुल्क नियमों की अनुसूची IV में निर्दिष्ट के अनुसार होगा। संशोधित नियम आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू हो गए हैं। विदेश मंत्रालय ने 1 जुलाई से पासपोर्ट से जुड़ी सेवाओं के शुल्क में बढ़ोतरी की थी। बढ़ा हुआ शुल्क नए पासपोर्ट आवेदन, नवीनीकरण, तत्काल सेवाओं, खोए या क्षतिग्रस्त पासपोर्ट के बदले नए पासपोर्ट, पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) और अन्य पासपोर्ट से जुड़ी सेवाओं पर लागू है। आठ साल से कम उम्र के बच्चों और 60 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए नए पासपोर्ट आवेदन पर 10 प्रतिशत की छूट जारी रहेगी।

जंतर-मंतर पर धरने की अनुमति न मिलना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश : एआईएमपीएलबी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने जंतर-मंतर पर आज प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन की अंतिम समय में दिल्ली पुलिस से अनुमति न मिलने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। बोर्ड ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकार हैं और प्रशासनिक निर्णयों के माध्यम से इन पर अंकुश नहीं लगाया जाना चाहिए। मौलाना असगर अली इमाम महदी सलाफी, महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर्रहीम मुजद्दिदी, सचिव मौलाना मोहम्मद उमरैन महफ़ूज़ रहमानी, प्रवक्ता डॉ. कासिम रसूल इलियास ने बताया कि बोर्ड प्रवक्ता और ''संविधान बचाओ, देश बचाओ'' अभियान के संयोजक डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास पिछले दस दिनों के दौरान तीन बार पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन गए और थाना प्रभारी (एसएचओ) तथा पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) को आश्वासन दिया कि धरने में शामिल होने वाले लोगों की संख्या निर्धारित सीमा के भीतर रहेगी।

सांसद महुआ मोइत्रा ने मुस्लिम अधिकारियों को अमित शाह के कार्यक्रमों से अलग रखने का लगाया आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) के तहत अल्पसंख्यक मामलों के विशेष प्रतिवेदक प्रोफेसर निकोलस लेवरात को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरों से जुड़े आधिकारिक कार्यक्रमों में वरिष्ठ मुस्लिम भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों को कथित तौर पर अलग रखे जाने का मुद्दा उठाया है। यह जानकारी सामने आई। महुआ मोइत्रा ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि जुलाई और अगस्त में अमित शाह के पश्चिम बंगाल दौरों के दौरान तीन अलग-अलग मौकों पर मुस्लिम अधिकारियों को सरकारी बैठकों और कार्यक्रमों से बाहर रखा गया या उन्हें उपस्थित नहीं होने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सिलीगुड़ी के पुलिस आयुक्त वकार रज़ा, पश्चिम बंगाल पुलिस के एसटीएफ प्रमुख जावेद शमीम और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी खलील अहमद का उल्लेख किया है।

2.20 करोड़ के इनामी नक्सली असीम मंडल की पश्चिम बंगाल में गिरफ्तारी के बाद कोल्हान में बढ़ी सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता

पश्चिमी सिंहभूम। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के केंद्रीय कमेटी सदस्य (सीसीएम) असीम मंडल उर्फ आकाश के पश्चिम बंगाल में गिरफ्तार होने के बाद झारखंड के कोल्हान क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता बढ़ गई है। पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम जिला पुलिस असीम मंडल को रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी में जुटी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ के दौरान कोल्हान क्षेत्र में माओवादी संगठन के नेटवर्क, पुराने नक्सली मामलों, हथियार और विस्फोटक के ठिकानों तथा संगठन से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित रेनू ने बताया कि असीम मंडल को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।वहीं, पूर्वी सिंहभूम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. एहतेशाम वकारिब ने भी मामले को लेकर आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। खुफिया विभाग असीम मंडल से जुड़े मामलों और कोल्हान क्षेत्र में उसकी कथित गतिविधियों से संबंधित जानकारी जुटा रहा है।

15 साल से फरार शीर्ष माओवादी नेता असीम मंडल उर्फ आकाश को एसटीएफ ने पकड़ा, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने की पुलिस की सराहना

कोलकाता। सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के पाटाशपुर के लालाट इलाके से शीर्ष माओवादी नेता असीम मंडल उर्फ आकाश को गिरफ्तार किया है।मंडल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य और पश्चिम बंगाल राज्य समिति-1 का सचिव बताया गया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, वह पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से अलग-अलग राज्यों के जंगलों में छिपकर पुलिस को चकमा दे रहा था। गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता पुलिस एसटीएफ के अधिकारियों और जवानों की सराहना की।

मुंबई दौरे पर उप-राष्ट्रपति ने किए लालबागचा राजा के दर्शन

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के घर भी पहुंचे

एजेंसी

मुंबई । गणेश उत्सव शुरू होते ही पूरा महाराष्ट्र 'बप्पा' के जयघोष से गूंज उठता है। चारों ओर का माहौल भक्तिमय हो जाता है और इस भव्य उत्सव का सबसे बड़ा केंद्र 'लालबागचा राजा' हैं। बप्पा के दर्शन के लिए आम जनता से लेकर देश की बड़ी-बड़ी हस्तियां यहां पहुंचती हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को देश के उप-राष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने लालबागचा राजा के दरबार में हाजिरी लगाई और बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास भी गए। भारत के उप-राष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वे लालबागचा राजा के दर्शन करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'आज मुंबई में लालबागचा राजा के दिव्य दर्शन कर गणपति जी की पूजा-अर्चना की। लालबागचा राजा मुंबई की जीवंत सांस्कृतिक विरासत, गहरी भक्ति और मजबूत सामुदायिक भावना का लोकप्रिय प्रतीक है। विघ्नहर्ता से सभी के कल्याण, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। गणपति बप्पा मोरया!' सी. पी. राधाकृष्णन ने

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उनके घर पर स्थापित बप्पा का आशीर्वाद भी लिया। भारत के उप-राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वे बप्पा की आरती करते नजर आ रहे हैं।

पोस्ट कर सी. पी. राधाकृष्णन ने लिखा, 'आज मुंबई दौरे के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर भगवान गणेश जी के दर्शन कर विघ्नहर्ता की पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। '

वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी भारत के उप-राष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन का तहे दिल से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने आवास में आने की जानकारी दी। साथ ही, उनके लिए अपने मन के भाव को शब्दों के जरिए भी उतारा।

उन्होंने लिखा, 'आज मुंबई में वर्षा बंगले पर उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन जी का गणपति बप्पा के दिव्य दर्शन और आशीर्वाद के लिए स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। '

मुंबई के परेल इलाके में स्थित लालबाग का राजा देश का सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय सार्वजनिक गणेश मंडल है। साल 1935 से कंबली परिवार (कंबली आर्ट्स) ही लगातार लालबागचा राजा की इस भव्य प्रतिमा को बनाता आ रहा है।

'कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य नहीं'

अमृतसर में एएसआई की हत्या पर बोले कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी

एजेंसी

चंडीगढ़ । कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने शुक्रवार को अमृतसर में एएसआई हरजीत सिंह की हत्या पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस घटना से पता चलता है कि पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य नहीं है। कांग्रेस सांसद ने केंद्र व राज्य सरकार से कड़े कदम उठाने की भी मांग की। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, 'यह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक पुलिसकर्मी को गोली मारी गई और उनकी जान चली गई। इससे अधिक दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है? यह साफ दिखाता है कि कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य नहीं है।' उन्होंने कहा कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और यहां बाहरी ताकतों, खासकर हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान का हस्तक्षेप रहता है। ड्रोन के जरिए ड्रग्स और हथियार भी आते हैं। इसलिए, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की यह जिम्मेदारी है कि वे यह सुनिश्चित करें कि पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति बहुत मजबूत और दुरुस्त रहे।

अमृतसर के भगतनवाला में ड्यूटी के दौरान एएसआई हरजीत सिंह की मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 3 बजे हुई, जब हमलावर अधिकारी के पास पहुंचे और बहुत करीब से उन पर कई गोलियां चलाईं। हमले के बाद हरजीत सिंह को पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वह तरनतारन जिले के रहने वाले थे। पुलिस ने गोलीबारी की परिस्थितियों और हमलावरों की पहचान के बारे में जांच शुरू कर दी है। वहीं, पंजाब में ड्रग्स की स्थिति पर मनीष तिवारी ने कहा कि राज्य को अभी भी एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर कोई कहता है कि आज पंजाब में ड्रग्स की समस्या नहीं है, तो वह पंजाब के लोगों को गुमराह कर रहा है। मनीष तिवारी ने कहा, 'जब 1995 में पंजाब में आतंकवाद का दौर खत्म हुआ, तो पाकिस्तान ने नार्को-टेररिज्म का दौर शुरू कर दिया। लोगों को यह पूरी तरह समझने में लगभग डेढ़ दशक लग गया कि क्या हो रहा था। 2009-2010 तक, लोगों को यह एहसास होने लगा कि यह पंजाब और देश को कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश थी।

मुरैना में रिक्शे से टकराकर सड़क पर गिरे बाइक सवार, ट्रक ने कुचला

देवर-भाभी और 2 बच्चों की मौत

एजेंसी

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में नेशनल हाईवे-44 पर नूराबाद थाना क्षेत्र में जेके टायर फैक्ट्री के पास दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार देवर-भाभी और दो बच्चों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बाइक पहले सड़क किनारे खड़े कचरा ढोने वाले रिक्शे से टकराई। टक्कर के बाद चारों सड़क पर जा गिरे और इसी दौरान पीछे से आए ट्रक की चपेट में आ गए। नूराबाद थाना प्रभारी एसआई सौरभ पुरी के अनुसार, बाइक सवार ग्वालियर की ओर से आ रहे थे। जेके टायर फैक्ट्री के पास सड़क पर कचरा

ढोने वाला रिक्शा खड़ा था। बाइक उससे टकराने के बाद अनियंत्रित हो गई और उस पर सवार चारों लोग सड़क पर गिर गए।

इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में सूरज कुशवाह (18) पुत्र दीवान कुशवाहा, निवासी बासी, नीरज कुशवाह (20) पत्नी अजय कुशवाहा, निवासी भोना का पूरा, लोहगढ़, श्रीकांत कुशवाह (10) पुत्र श्रीचंद्र कुशवाह (नीरज का भाई) और राजकुमारी (8) पुत्री बलबीर कुशवाह (नीरज की भतीजी) की मौत हो गई। सूचना मिलने पर नूराबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, हादसे की परिस्थितियों और ट्रक की भूमिका की जांच की जा रही है। घटनास्थल से संबंधित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

राजस्थान में मानसून की विदाई से पहले झमाझम बारिश

उदयपुर में पुल पर बही नदी, टोंक में फसलें जलमग्न, कोटा जंक्शन पर शॉर्ट सर्किट से हड़कंप

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान से 19 सितंबर से मानसून की विदाई की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है, लेकिन जाते-जाते मानसून का अंतिम चरण प्रदेश को बुरी तरह भिगो रहा है। गुरुवार रात से शुरू हुआ बारिश का दौर शुक्रवार को भी जारी रहा। उदयपुर, सलूंबर, चित्तौड़गढ़, टोंक और कोटा सहित कई जिलों में भारी बारिश से जहाँ नदियां और नाले उफान पर हैं, वहीं पारे में 7 डिग्री सेल्सियस तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आज (शुक्रवार को) भी राज्य के 28 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। प्रमुख जिलों में बारिश का तांडव और नुकसान : उदयपुर और सलूंबर (नदी उफान पर): उदयपुर और सलूंबर में गुरुवार रात से रुक-रुककर हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। सलूंबर के

झल्लारा में सरनी नदी का जलस्तर इतना बढ़ गया कि पानी पुल के ऊपर से बहने लगा। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने रास्ते पर ट्रैफिक रोक दिया है। चित्तौड़गढ़ (रातभर मूसलाधार, झरने बहे) : जिले के रावतभाटा क्षेत्र में गुरुवार देर रात करीब 1:30 बजे शुरू हुई बारिश शुक्रवार सुबह तक जारी रही। भारी बारिश के चलते ब्राह्मणी नदी का जलस्तर बढ़ा और डब्को झरना तेज बहाव के साथ बहने लगा। राणा प्रताप सागर बांध के कैचमेंट एरिया में 9.20 मिमी बारिश दर्ज की गई है। टोंक (कटी फसलों को भारी नुकसान) : टोंक जिले में रातभर हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में कटकर रखी हुई पके फसलों के पानी में डूब जाने से वे पूरी तरह खराब हो गई हैं। कोटा जंक्शन (बिजली पैनल में आग) : कोटा जंक्शन पर भारी बारिश के बीच अचानक एक बिजली के पैनल में शॉर्ट सर्किट हो गया। पैनल में भीषण आग लगते ही स्टेशन पर यात्रियों में हड़कंप मच गया और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पिछले 24 घंटों के दौरान सवाई माधोपुर, करौली, नागौर, अजमेर और जयपुर में 4 इंच (100 मिमी) तक भारी बारिश दर्ज की गई। वहीं भीलवाड़ा, बूंदी, टोंक, झुंझुनूं और बीकानेर जिलों में 2 इंच तक पानी बरसा है। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश के चलते प्रदेश भर में मौसम सुहावना हो गया है। पिलानी, श्रीगंगानगर, चूरू, बीकानेर, नागौर, फतेहपुर, झुंझुनूं और अजमेर में अधिकतम तापमान में 2 से लेकर 7 डिग्री सेल्सियस तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है।

भूपेन्द्र यादव की फिनलैंड की मंत्री से मुलाकात, जलवायु सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने फिनलैंड की जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री सारी मुल्ताला से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की गई। बैठक के बाद भूपेन्द्र यादव ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत और फिनलैंड ने सर्कुलर इकोनॉमी, जलवायु कार्रवाई, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। नई दिल्ली में फिनलैंड की जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री सारी मुल्ताला के साथ द्विपक्षीय बैठक में इन मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के प्रमुख निष्कर्षों पर चर्चा की गई। साथ ही सर्कुलर इकोनॉमी के क्षेत्र में भारत-फिनलैंड साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों ने आगामी यूएनएफसीसीसी -कॉप 31 और सीबीडी कॉप 16 से जुड़े मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा, प्लास्टिक प्रदूषण पर इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएटिंग कमेटी के तहत आपसी हित से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। बैठक में दोनों देशों ने जलवायु कार्रवाई, संसाधनों के चक्रीय उपयोग, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास के लिए आपसी सहयोग को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

एनएसयूआई परिसर में अपना जनाधार खो चुकी है: डॉ. वीरेंद्र सोलंकी

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने विपक्षी दल पर आरोप लगाते हुए कहा कि नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) परिसर में अपना जनाधार खो चुकी है और अब बाहरी नेताओं के सहारे चुनावी गतिविधियां चला रही है। डॉ सोलंकी ने दिल्ली स्थित अभाविप कार्यालय में विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव को लेकर आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक जैसे वरिष्ठ नेताओं द्वारा कक्षाओं में जाकर प्रचार करना छात्र राजनीति की मर्यादा के विपरीत है।उन्होंने कांग्रेस की अन्य इकाइयों समेत आम आदमी पार्टी से जुड़े तत्वों की सक्रियता पर भी आपत्ति जताई। सोलंकी ने कहा कि परिषद के कार्यकर्ता पूरे वर्ष विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहते हैं, जिसका लाभ उन्हें चुनावी समर्थन के रूप में मिल रहा है। उन्होंने लिंगदोह समिति की सिफारिशों और न्यायालय के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय की कड़ी

टिप्पणियों का स्वागत किया। उन्होंने अभाविप कार्यकर्ताओं के साथ हुई कथित हिंसक घटना की निंदा करते हुए हमलावरों की पहचान कर उन्हें तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की। चुनाव से ठीक एक दिन पहले अभाविप ने सभी चार प्रमुख पदों पर जीत का दावा करते हुए 4-0 से क्लीन स्वीप का भरोसा जताया है। इसके साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों पर छात्र राजनीति में 'बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप' करने का आरोप लगाया और चुनाव में हिंसा को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय और दिल्ली पुलिस प्रशासन से होने वाले मतदान को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने का आग्रह करते हुए अभाविप ने भरोसा जताया कि परिणाम पूरी तरह उनके पक्ष में रहेगा।

केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने किया कोलकाता साई केंद्र का दौरा

सुविधाओं का लिया जायजा

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने कोलकाता के साल्ट लेक स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के क्षेत्रीय केंद्र का दौरा किया। उन्होंने वहां मौजूद खेल ढांचे, एथलीट विकास सुविधाओं और अन्य सहायता प्रणालियों की समीक्षा की। दौरे के दौरान उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने हॉकी मैदान का दौरा किया, जहां उन्होंने खिलाड़ियों और कोच के साथ बातचीत कर उनके प्रशिक्षण, सुविधाओं और जरूरतों पर फीडबैक लिया। उन्होंने जिमनास्टिक और टेबल टेनिस के इंडोर स्टेडियम का भी जायजा लिया और वहां मौजूद एथलीटों से मुलाकात की। समयऔर कैलेंडर

मंत्री ने खेल विज्ञान विभाग का

दौरा कर कर्मचारियों से बातचीत की और खिलाड़ियों के विकास, रिकवरी और उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने में वैज्ञानिक मदद की भूमिका पर चर्चा की। इस मौके पर साई कोलकाता के क्षेत्रीय निदेशक शिवानंद मिश्रा, ओलंपियन सोमा बिस्वास और पौलमी घटक, माई भारत के क्षेत्रीय निदेशक देव कुमार चटर्जी और भारतीय महिला रग्बी टीम की सदस्य मौजूद थीं। मंत्री ने अच्छी कोचिंग के साथ-साथ खेल विज्ञान, बेहतर पोषण और रिहैबिलिटेशन जैसी सुविधाओं को आपस में जोड़ने पर खास जोर दिया। अपने दौरे में रक्षा खडसे ने 300 बिस्तरों वाले नए खेलो इंडिया छात्रावास का भी निरीक्षण किया और खिलाड़ियों के लिए तैयार की जा रही आवासीय सुविधाओं का जायजा लिया। इसके अलावा उन्होंने तीरंदाजी और एथलेटिक्स मैदान में जाकर कोच और खिलाड़ियों से उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। सुविधाओं के निरीक्षण के बाद उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र के कामकाज को लेकर साई अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की।

उन्होंने जमीनी स्तर पर खेल को बढ़ावा देने और युवा एथलीटों को उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में हर संभव मदद का भरोसा दिया।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की खेल संस्कृति बहुत समृद्ध है और इसे बेहतर बुनियादी ढांचे, वैज्ञानिक प्रशिक्षण तथा अच्छी कोचिंग के जरिए और मजबूत किया जा सकता है।

मप्र में ग्रामीण आबादी को मिलेगा अपनी संपत्ति का अधिकार : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वामित्व योजना शुरू होने से ग्रामीण आबादी को उनका अधिकार मिलेगा। हमारी सरकार द्वारा प्रदेश के 23 हजार से अधिक गांवों में एक माह तक अभिलेखों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने का अभियान चलाया जा रहा है। पैतृक और अपनी संपत्ति हर परिवार का सपना होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद नितिन नवीन की उपस्थिति में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना में निजी सम्पत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री दस्तावेज प्रदान करने के अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हो रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का पहली बार मध्य प्रदेश की धरती पर आगमन हुआ है। हम सभी उनका अभिनंदन करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया को भारत की शक्ति से परिचित करवाया है। हाल ही में नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान दुनिया ने इसे महसूस किया है। प्रधानमंत्री मोदी देशवासियों के कल्याण के लिए कई योजनाओं के माध्यम से लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिवस है और भगवान विश्वकर्मा की भी जयंती है। भगवान विश्वकर्मा ने सृष्टि की रचना के साथ-साथ सभी प्रकार के छोटे काम करने वालों को स्वावलंबन की राह दिखलाई। राज्य सरकार छोटे कामगारों के साथ खड़ी है। हमारी सरकार ने लाड़ली बहनों के कल्याण के लिए 55 हजार करोड़ से अधिक राशि अब तक उनके खातों में अंतरित की है। माताओं-बहनों के आशीर्वाद से प्रदेश समृद्ध हो रहा है। बहनों को रोजगार आधारित उद्योग में काम करने पर हर माह 5000 रुपये की प्रोत्साहन राशि का लाभ अलग से मिलेगा। हमारी सरकार उन सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही हैं, जहां भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम के चरण पड़े हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 के अंतर्गत तीन हितग्राहियों को निःशुल्क पंजीयन विलेख (रजिस्ट्री) प्रदान किए।

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

ज्ञान, प्रतिभा और संकल्प से युवा विकसित भारत के निर्माण में दें योगदान : राज्यपाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि युवाओं को अपनी शिक्षा और प्रतिभा का उपयोग व्यक्तिगत सफलता के साथ समाज, पर्यावरण और राष्ट्र के हित में करना चाहिए। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और जनसेवा की भावना महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से सफलता के साथ विनम्रता बनाए रखने तथा माता-पिता, शिक्षकों और समाज के योगदान का सदैव स्मरण रखने का आह्वान किया। राज्यपाल श्री पटेल ने यह बात बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। दीक्षांत कार्यक्रम का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में शुक्रवार को किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने महान स्वतंत्रता सेनानी और शिक्षाविद् बरकतउल्लाह जी के देश प्रेम तथा अपनी माटी की सेवा के जज्बे का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन और लगन का उत्सव है, जो उनके जीवन में नई जिम्मेदारियों और अवसरों के द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की यात्रा अलग होती है। उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ माता-पिता के त्याग और शिक्षकों के सहयोग के लिए सदैव आभारी रहना चाहिए। वे जहाँ भी जाएँ, अपने विश्वविद्यालय और परिवार की गरिमा बढ़ाने का प्रयास करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा व्यवस्था का केवल सूचना और ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि सत्य की खोज, चरित्र निर्माण और लोक कल्याण का मार्ग रही है। गुरु-शिष्य परंपरा में समानता, अनुशासन और चरित्र निर्माण को महत्व दिया गया। श्रीकृष्ण, बलराम और सुदामा का गुरु सांदीपनि के आश्रम में समान शिक्षा प्राप्त करने का प्रसंग इसका प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान

परंपरा को वर्तमान चुनौतियों के समाधान और भविष्य के नवाचार का माध्यम बनाना होगा। राज्यपाल श्री पटेल ने दीक्षांत समारोह की थीम 'हरित ऊर्जा से विकसित भारत बनाने की पहल' की सराहना की, कहा कि विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण भी आवश्यक है। प्रकृति के निरंतर दोहन से जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियां सामने आई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का उल्लेख किया। विद्यार्थियों से शुद्ध प्राणवायु के लिए पौधरोपण और जल संरक्षण को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कच्छ के रण में शिक्षक दंपत्ति द्वारा बच्चों की सहभागिता से पौधरोपण के द्वारा विद्यालय की बाउंड्री वॉल बनाने के उदाहरण का उल्लेख करते हुए कहा कि काम छोटा हो सकता है, लेकिन सोच बड़ी और संकल्प मजबूत हो तो उसका प्रभाव दूरगामी होता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा और जल संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार के साथ आदर्श जीवनशैली के उदाहरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा की है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक 'जन सेवा संकल्प' अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियों की सहभागिता से सेवा शिविर आयोजित करने तथा सिकल सेल, थैलेसीमिया और कैंसर से पीड़ित मरीजों के लिए रक्तदान जैसी समाजोपयोगी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि रक्तदान जीवनदान के समान है और युवाओं की सेवा भावना से ही विकसित भारत की आधारशिला बनेगी। उच्च, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत कार्यक्रमों के नियमित आयोजन व्यवस्था के लिए आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में बेटियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

9 लाख 77 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिली 10.53 करोड़ रुपये की छूट

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए अगस्त माह लाभदायक रहा। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को टाइम ऑफ डे (ञ्शष्ठ) टैरिफ व्यवस्था के तहत सोलर आवर्स (सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक) में बिजली की खपत पर 20 प्रतिशत तक की विशेष छूट का लाभ दिया जा रहा है। इसी के तहत अगस्त -2026 में कंपनी कार्यक्षेत्र के कुल 9 लाख 77 हजार 400 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके बिजली बिलों में कुल ?10.53 करोड़ रुपये की ToD छूट का सीधा लाभ मिला। इनमें भोपाल रीजन के 7 लाख 94 हजार 972 उपभोक्ताओं को 7 करोड़ 80 लाख 50 हजार रुपये तथा ग्वालियर रीजन के 1 लाख 82 हजार 428 उपभोक्ताओं को 2 करोड़ 72 लाख 82 हजार रुपये की छूट प्रदान की गई। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे आधुनिक तकनीक का लाभ उठाते हुए अपने परिसरों में स्मार्ट मीटर लगवाएं। स्मार्ट मीटर न केवल ऊर्जा प्रबंधन को बेहतर बनाते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को अपनी बिजली खपत पर नियंत्रण रखने और आर्थिक बचत करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि टाइम ऑफ डे टैरिफ के तहत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को सोलर आवर्स (सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक) बिजली उपयोग करने पर ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर में 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को 20 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। स्मार्ट मीटर से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए उपभोक्ता 1912 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा श्री कैलाश कुमार चौधरी, प्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही Smartmeteringcellbhopal@gmail.com पर ई-मेल के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

7400 से अधिक मेधावी विद्यार्थी होंगे लाभांवित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को शनिवार को देंगे स्कूटी की सौगात

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को शनिवार को बड़ी सौगात देंगे। शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 19 सितंबर को ई-स्कूटी का वितरण करेंगे। यह स्कूटी ÷मुख्यमंत्री स्कूटी योजना ' अंतर्गत दी जाएगी। इससे विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा की राह आसान होगी। साथ ही, कॉलेज आने-जाने में भी सहूलियत होगी। राज्य स्तरीय स्कूटी वितरण का कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवाजी नगर में भोपाल में सुबह 9 बजे से होगा। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री स्कूटी योजना का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में ही 70 प्रतिशत अंक के साथ स्कूल

में प्रथम स्थान आना जरूरी है। प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना का लाभ स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत विद्यार्थी को दिया जाता है। योजना में सभी संकायों के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। मोटराइज्ड स्कूटी के लिए अधिकतम 90 हजार रुपये और ई-स्कूटी के लिए अधिकतम 1.20 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है। प्रदेश सरकार द्वारा योजना अंतर्गत शिक्षण सत्र 2025-26 के लिए प्रदेश के 7,400 से अधिक पात्र विद्यार्थियों को ई-स्कूटी का वितरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना से अब तक प्रदेश के 23,000 से अधिक पात्र विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। योजना के संचालन पर अब तक लगभग 246 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं। मुख्यमंत्री स्कूटी योजना मेधावी विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धि को प्रोत्साहित करने के साथ ही आगे की पढ़ाई के लिए सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण पहल है।

शासकीय महाविद्यालयों की संख्या 299 से बढ़कर 571 हुई

महाविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या 4.9 गुना बढ़ी

प्रदेश में विश्वविद्यालयों की संख्या 13 से बढ़कर 81 हुई

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

प्रदेश में बीते चौबीस वर्ष में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों की संख्या 13 से बढ़कर 81 हो गयी है। इसी अवधि में शासकीय महाविद्यालयों की संख्या 299 से बढ़कर 571 हो गयी है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की संख्या में यह वृद्धि विद्यार्थियों के लिये उच्च शिक्षा में बढ़े अवसरों को दर्शाती है। इसी अवधि में महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेश में लगभग 4.9 गुना वृद्धि हुई है जहां वर्ष 2002 में प्रदेश 2 लाख 46 हजार 634 विद्यार्थियों ने महाविद्यालयों में प्रवेश लिया था, वर्तमान वर्ष 9 लाख 64 हजार विद्यार्थियों ने महाविद्यालयों में प्रवेश लिया है। वर्ष 2002 में मध्यप्रदेश में कुल 13 विश्वविद्यालय थे। इनमें 11 विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत तथा 2 विश्वविद्यालय अन्य विभागों के अंतर्गत थे। वर्तमान वर्ष 2026 में प्रदेश में कुल 81 विश्वविद्यालय हैं। इनमें 17 शासकीय और 54 निजी विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत, जबकि 10 विश्वविद्यालय अन्य विभागों के अंतर्गत संचालित हैं। विश्वविद्यालयों की संख्या में यह विस्तार प्रदेश में उच्च शिक्षा के संस्थागत विकल्पों के व्यापक होने और विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के विविध अवसरों के बढ़ने को दर्शाता है। संस्थागत विस्तार के साथ विद्यार्थियों की भागीदारी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। शैक्षणिक सत्र 2002-03 में प्रदेश में 2 लाख 46 हजार 634 विद्यार्थी प्रवेशित हुए थे। इसके 22 वर्ष बाद शैक्षणिक सत्र 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 12 लाख 10 हजार 635 हो गई। इस प्रकार इस कालखंड में 9 लाख 64 हजार 1 अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया और प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या लगभग 4.9 गुना हुई। यह वृद्धि बताती है कि दीर्घकाल में उच्च शिक्षा के संस्थागत विस्तार के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा में भागीदारी भी बढ़ी है। उच्च शिक्षा के संस्थागत विस्तार के साथ वित्तीय संसाधनों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2027

प्रदेश के 3.80 लाख युवाओं ने किया ऑनलाइन पंजीयन; 6 लाख पंजीयन का लक्ष्य

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2027 (15 से 29 वर्ष) युवाओं को नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की एक संरचित, योग्यता-आधारित यात्रा में भाग लेने का एक राष्ट्रव्यापी अवसर है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य उन युवाओं की पहचान करना, उन्हें प्रोत्साहित करना और राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है, जो 2047 तक विकसित भारत में योगदान देना चाहते हैं। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि प्रदेश के 3.80 लाख युवाओं ने माय भारत पोर्टल में ऑनलाइन पंजीयन किया है और सरकार ने 6 लाख युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इस वर्ष मध्यप्रदेश के लिए ट्राइबल लीडरशिप, नेचुरल रिसोर्सेस और इन्क्लूसिव डेवलपमेंट थीम निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं को नए अवसर मिल रहे हैं। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग युवा प्रतिभा को निखारने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रदेश के युवा बड़ी संख्या में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। अंतिम चरण में चयनित युवा 10-12 जनवरी 2027 को प्रधानमंत्री श्री मोदी के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि 17 अगस्त-30 सितंबर तक विकसित भारत क्विज, 5-19 अक्टूबर तक विकसित भारत निबंध प्रतियोगिता, 10-16 नवंबर जिला चैंपियनशिप, 17 नवंबरङ्क7 दिसंबर राज्य स्तरीय और 10-12 जनवरी, 2027 राष्ट्रीय स्तर, नई दिल्ली इन दिनांकों में निर्धारित कार्यक्रम चरणबद्ध तरीकों से किए जाएंगे। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग युवा प्रतिभा को निखारने का एक सशक्त मंच है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बढ़ चढ़ कर मध्यप्रदेश के युवा प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। यह कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों से आए ।

नारियलखेड़ा में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत जन-कल्याण शिविर आयोजित

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र और निर्माणाधीन वाटर टैंक का किया औचक निरीक्षण

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश शासन द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत शुक्रवार को नारियलखेड़ा दशहरा मैदान के पास सामुदायिक केंद्र, वार्ड क्रमांक-12 में जन-कल्याण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सांसद श्री आलोक शर्मा ने सहभागिता कर आमजन से आत्मीय संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए तथा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के माध्यम से शासन को जनता के द्वार तक पहुंचाकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना और प्रत्येक जायज समस्या का संवेदनशीलता के साथ समाधान करना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सेवा, सुशासन और जनविश्वास के संकल्प के साथ समाज की अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। शिविर में नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की

जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करने की कार्यवाही की गई। अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं को सुगम एवं पारदर्शी तरीके से आमजन तक पहुंचाने के साथ स्थानीय समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करना है।

कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के माध्यम से पात्र नागरिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं सुगम तरीके से उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कॉलोनियों से संबंधित समस्याओं के व्यवस्थित एवं त्वरित निराकरण के लिए कलेक्ट्रेट में समर्पित 'कॉलोनी सेल' का गठन किया गया है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्थानीय निवासियों से अपने क्षेत्रों में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) गठित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आरडब्ल्यूए के माध्यम से कॉलोनियों की समस्याओं को साझा मंच पर प्रभावी ढंग से उठाने और उनके निराकरण में सुविधा होगी। उन्होंने अधिकारियों को शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों एवं शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जन-कल्याण शिविर के बाद कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने नारियलखेड़ा क्षेत्र में संचालित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-216 का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं, बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा संबंधित कार्यों की जानकारी ली। इसके साथ ही कलेक्टर ने क्षेत्र में निर्माणाधीन वाटर टैंक का भी निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिविर में महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन, पार्षद श्री देवेंद्र भार्गव, पार्षद श्री शैलेश साहू सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

13 हजार करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत

15 वर्ष में पिछड़ा वर्ग के पांच करोड़ से अधिक विद्यार्थी लाभांवित...

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व और निर्णयों के फलस्वरूप प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के हर स्तर पर अभूतपूर्व प्रोत्साहन और वित्तीय सहयोग मिल रहा है। पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को राज्य सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षा से विदेश अध्ययन के लिये छात्रवृत्ति, निश्शुल्क कोचिंग और प्रशिक्षण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में पिछले 15 वर्षों में 13 हजार 156 करोड़ 51 लाख से अधिक की वित्तीय सहायता दी गई है। योजनाओं से लगभग 5 करोड़ 34 लाख 39 हजार 54 से अधिक विद्यार्थी लाभांवित हुए। स्कूली स्तर पर ड्रॉप-आउट दर को समाप्त करने और बच्चों की पढ़ाई निरंतर बनाए रखने के लिए संचालित प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत वर्ष 2012-13 से 2026-27 तक पिछड़ा वर्ग के 4 करोड़ 50 लाख से अधिक विद्यार्थियों को ? 2,535 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है। इसके साथ ही स्कूली शिक्षा में उत्कृष्ट अंक लाने वाले होनहारों को %प्रावीण्य (मेधावी) छात्रवृत्ति योजना के तहत पिछड़ा वर्ग के 2,185 विद्यार्थियों को 1 करोड़ 69 लाख रूपये की राशि दी गई है। उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा में कॉलेज स्तर के छात्रों को राहत देते हुए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत वर्ष 2012-13 से 2026-27 के दौरान इसी वर्ग के 84.22 लाख विद्यार्थियों को 10,467 करोड़ की राशि से संबल प्रदान किया गया है। पिछड़ा वर्ग के युवाओं को प्रशासनिक और प्रतियोगी सेवाओं में सफलता दिलाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वर्ष 2021-22 में प्रारंभ की गई सरदार पटेल कोचिंग प्रशिक्षण योजना के तहत 11,174 शिक्षित युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 23 करोड़ 9 लाख रूपये के व्यय से निशुल्क कोचिंग दी गई है। इसी प्रकार संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले 3,354 पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थियों को सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के तहत 7 करोड़ 64 लाख रूपये की राशि प्रदान की गई। इसके अलावा वर्ष 2026-27 से युवाओं के सर्वांगीण प्रशिक्षण के लिए शुरू की गई शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत रू 4 करोड़ 83 लाख राशि का व्यय कर 3,827 युवाओं को सफलता पूर्वक प्रशिक्षित किया गया है। पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना में प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वर्ष 2008-09 से लेकर अब तक पिछड़ा वर्ग के कुल 341 विद्यार्थियों को 122 करोड़ 9 लाख रूपये का वित्तीय अनुदान देकर विदेशों में पढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया गया है।

अंतर्राज्यीय समन्वय, सीसीटीवी एवं तकनीकी साक्ष्यों से 03 आरोपी गिरफ्तार

मध्यप्रदेश पुलिस की त्वरित कार्रवाई से सिंगरौली डकैती का 06 घंटे में पर्दाफाश

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा गंभीर एवं संगठित अपराधों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई, तकनीकी साक्ष्यों के प्रभावी उपयोग तथा पड़ोसी राज्यों की पुलिस के साथ बेहतर अंतर्राज्यीय समन्वय के माध्यम से अपराधों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सिंगरौली पुलिस ने जयंत स्थित कंचन ज्वेलर्स में हुई डकैती की सनसनीखेज घटना का महज 06 घंटे में पर्दाफाश करते हुए अंतर्राज्यीय गिरोह के 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई में डकैती में लूटे गए 200.7 ग्राम सोने के आभूषण, 205.410 ग्राम चांदी के आभूषण, 1 लाख 04 हजार 200 रुपये नगद, 02 मोटरसाइकिल, 01 पिस्टल, 02 कट्टे एवं 01 मोबाइल फोन बरामद किया है। जयंत स्थित कंचन ज्वेलर्स में आरोपियों द्वारा पिस्टल एवं कट्टे लहराकर दुकान के कर्मचारियों को धमकाते हुए डकैती की वारदात को अंजाम दिया गया। विरोध करने पर आरोपियों द्वारा दो व्यक्तियों पर हथियारों से हमला किया गया तथा घटना के दौरान फायरिंग भी की गई। घटना की सूचना मिलते ही सिंगरौली पुलिस ने बिना समय गंवाए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में आरोपियों की धरपकड़ एवं लूटी गई संपत्ति की बरामदगी के लिए विशेष पुलिस टीमें गठित कीं। नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर, एसडीओपी मोरवा एवं एसडीओपी चितरंगी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों के

सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया गया। साथ ही संदिग्धों के आवागमन एवं संभावित भागने के मार्गों की जानकारी एकत्र कर तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए सोनभद्र (उत्तरप्रदेश), बलरामपुर (छत्तीसगढ़), गढ़वा एवं पलामू (झारखंड) पुलिस को तत्काल सूचना देकर अंतर्राज्यीय सीमाओं एवं संभावित मार्गों पर अलर्ट जारी कराया गया। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तथा अन्य संभावित मार्गों पर पुलिस टीमों द्वारा सघन चेकिंग एवं संदिग्धों की तलाश की गई। इसी दौरान प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर संदिग्ध मोटरसाइकिलों का पीछा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा। पीछा किए जाने के दौरान आरोपियों की मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें दोनों घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। अंतर्राज्यीय पुलिस समन्वय के तहत उत्तरप्रदेश पुलिस के सहयोग से गिरोह के एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपी जवाबी फायरिंग में घायल हुआ था। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त दूसरी मोटरसाइकिल तथा उसके हिस्से में आए लूट के आभूषण एवं नगदी जब्त की गई। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर घटना में शामिल अन्य आरोपियों एवं वारदात से जुड़े नेटवर्क के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। गिरोह के शेष आरोपियों की गिरफ्तारी तथा शेष लूटे गए मशरूका की बरामदगी के लिए पुलिस की विशेष टीमें विभिन्न राज्यों में भेजी गई हैं।

बच्चों में ब्लड कैंसर की सबसे बड़ी वजह क्या है? डॉक्टर ने बताई जरूरी बातें

बच्चों में ब्लड कैंसर के मामले एक बड़ी चिंता है. आखिर ये बच्चों को क्यों अपनी चपेट में लेता है? इसके कारण के अलावा कैसे कुछ हद तक बचा जा सकता है, डॉक्टर से जानें...

भारत में कैंसर के मामले हर साल तेजी से बढ़ रहे हैं. आंकड़े कहते हैं कि देश में हर 9 में से 1 इंसान को लाइफ में कभी न कभी कैंसर होने के आसार होते हैं. अगर बच्चों के लिहाज से देखें तो इनमें 0 से 14 साल की उम्र में लिंफाइड ल्यूकेमिया सबसे ज्यादा पाए जाने वाला कैंसर होता है. देखा जाए तो ल्यूकेमिया सबसे अहम चिंता है. एनसीबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2025 तक कैंसर के मामलों में 2020 की तुलना में 12.8त्न बढ़ोतरी होने की बात कही गई थी. 2026 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में भारत में हर साल 25,000-50,000 से ज्यादा बच्चों में ल्यूकेमिया का निदान होने का अनुमान बताया गया है.

वहीं, सरकारी आंकड़ों और हालिया रिपोर्ट में भारत में हर साल करीब 50,000-75,000 नए छोटी उम्र होने वाले कैंसर केस का अनुमान मिलता है. डॉक्टर से जानें इससे जुड़ी जरूरी बातें..ष्ठद्ब में बदलाव है सबसे बड़ी वजह

डॉ. नरेंद्र अग्रवाल (वरिष्ठ सलाहकार और यूनिट प्रमुख, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी, बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन एवं सेल्युलर थेरेपी, राजीव गांधी कैंसर संस्थान) कहते हैं कि बच्चों में कैंसर की सबसे बड़ी वजह शरीर की कोशिकाओं के डीएनए में होने वाले बदलाव यानी म्यूटेशन है. बड़ों में कैंसर अक्सर तंबाकू, शराब, मोटापे या लंबे समय तक हानिकारक पदार्थों के संपर्क से जुड़ा होता है, लेकिन बच्चों में कैंसर इन वजहों से नहीं होता.

बढ़ते शरीर में क्यों बढ़ जाता है खतरा

बच्चे के बढ़ते शरीर में नई कोशिकाएं तेजी से बनती हैं, और इस दौरान ष्ठद्ब की कॉपी बनने में कभी-कभी छोटी गलतियां हो जाती हैं. आमतौर पर शरीर का डीएनए रिपेयर मैकेनिज्म और इम्यून सिस्टम इन गलतियों को संभाल लेता है, लेकिन कुछ अहम बदलाव ठीक न हो पाने पर समय के साथ कैंसर विकसित हो सकता है.

माता-पिता की गलती नहीं है वजह

ज्यादातर मामलों में बच्चों के कैंसर या ल्यूकेमिया का कोई एक तय कारण सामने नहीं आता. कुछ मामलों में जन्मजात जेनेटिक सिंड्रोम जोखिम बढ़ा सकते हैं, इसका संबंध माता-पिता की किसी गलती, खान-पान या जीवनशैली से नहीं होता. ऐसे में परिवार को खुद को दोषी नहीं मानना चाहिए.

ल्यूकेमिया ही क्यों है बच्चों में सबसे आम कैंसर

बचपन में बोन मैरो यानी वह जगह जहां खून की नई कोशिकाएं बनती हैं, बहुत एक्टिव रहता है. बढ़ते शरीर को लगातार नई रक्त कोशिकाओं की जरूरत होने से बोन मैरो में कोशिकाएं तेजी से बनती और बंटती रहती हैं. इसी दौरान अगर कोशिकाओं की वृद्धि को नियंत्रित करने वाले जीन्स में बदलाव हो जाए, तो असामान्य श्वेत रक्त कोशिकाएं तेजी से बढ़ने लगती हैं और ल्यूकेमिया विकसित हो सकता है.

शुरुआती लक्षण, जिन्हें नजरअंदाज न करें

ल्यूकेमिया के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य संक्रमण या वायरल बीमारी जैसे दिखते हैं, इसलिए पहचान में देरी हो जाती है. इन लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए-

सामान्य या बार-बार होने वाला बुखार
हाथ-पैरों में दर्द
जोड़ों और हाथ-पैरों में सूजन
गर्दन में ग्लैंड्स या गांठ का बढ़ना
पेट में तिल्ली, यानी स्प्लीन के आकार का बढ़ना

ये लक्षण मलेरिया या टीबी जैसी बीमारियों में भी दिख सकते हैं, इसलिए माता-पिता को इन्हें सिर्फ घरेलू उपचार से ठीक करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए.

पत्रकारिता के पतन और उम्मीद के बीच झूलता देश

हाल ही में बालाघाट जिले में दूषित पानी के कारण कम से कम 30 बैगा आदिवासी बच्चों की मौत हो चुकी है। इस मामले को कांग्रेस तो जोर-शोर से उठा ही रही है, वहीं स्कूल ठीक करो अभियान चलाने वाले अभिजित दिपके भी बीते दिनों बालाघाट पहुंचे। कॉकरोच जनता पार्टी बनाकर अभिजित दिपके किस तरह मोदी सरकार को परेशान कर चुके हैं, यह जंतर-मंतर आंदोलन ने दिखा दिया है। इसके बाद अभिजित दिपके और सीजेपी से जुड़े लोग देश भर में अलग-अलग जगहों पर पहुंच कर स्कूलों की बदहाली पर सवाल उठा रहे हैं। कानों सुनी पर यकीन करें न करें, लेकिन आंखों देखी पर तो भरोसा करना ही पड़ेगा। इसलिए देश की बड़ी समाचार एजेंसी एएनआई ने कहा नहीं दिखाया है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शिरकत के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच कितने सेकंड का हाथ मिलाकर अभिवादन हुआ। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एएनआई ने सितार और तबले की सुमधुर धुन के साथ डिजीटल घड़ी में समय चलते दिखाया है कि एक-दो नहीं पूरे 18 सेंकड तक मोदी और जिनपिंग हाथ मिलाते रहे। अच्छा हुआ 2014 में जब गुजरात में शी जिनपिंग के साथ नरेन्द्र मोदी ने झूला झूला था, तब एएनआई ने ये हरकत नहीं की, वर्ना पत्रकारिता के नाम पर यह जानकारी भी जनता को दी जाती कि झूला कितनी बार ऊपर गया, कितनी बार नीचे आया और कितने मिनट मोदी और जिनपिंग झूलते रहे।

इससे पहले बाकी गोदी मीडिया भी ऐसी ही फिजूल जानकारियां पत्रकारिता के नाम पर परोसता रहा है, इसलिए जनता के हित से जुड़े असल मुद्दों पर चर्चा को छोड़कर आम चूस के खाते हैं या काट कर, मोदी कितने घंटे सोते हैं, थकते क्यों नहीं- जैसे सवाल उनके एक्सक्लूसिव इंटरव्यू का हिस्सा बनते हैं। जब पत्रकार ऐसे हो चुके हैं तभी तो प्रधानमंत्री खुद को नॉन बायलॉजिकल कहने का दुस्साहस भी करते हैं। दो साल पहले चुनावों से पहले मोदी ने अपने में ईश्वरीय अंश बताने वाला बेतुका बयान दिया था और इस पर कोई प्रतिप्रश्न नहीं हुआ, तब लगा कि पत्रकारिता का पूरी तरह पतन हो चुका है। लेकिन अब एएनआई समेत कई चैनलों के पत्रकारों ने इस धारणा को तोड़ा है। अभी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ही मुफ्त की चीजें पाकर गदगद हुए पत्रकारों ने वीडियो बनाकर दिखाया कि उन्हें सरकार ने सम्मेलन की रिपोर्टिंग के लिए कौन-कौन सी चीजें बैग में भरकर दी हैं। एक अच्छा सा लैपटॉप बैग, उसके भीतर बढ़िया बोतल, मखाना, बटुआ ऐसी चीजें एक पत्रकार ने अपने वीडियो में दिखाई और आखिर में दिखाया कि हां पत्रकार हैं तो पेन और डायरी भी मिली है। गनीमत है कि उन्हें याद रहा कि वो पत्रकार हैं तो पेन और डायरी की अहमियत है। हालांकि अब मोबाइल से भी सारे काम हो जाते हैं। पर पत्रकार ये सवाल खुलकर तो नहीं कर सकते कि नया मोबाइल ही सरकार ने क्यों नहीं दे दिया।

बैग समेत सारा सामान मान लें कि 10-15 हजार रुपए का हुआ, तब भी सरकार के लिए यह बहुत सस्ता सौदा है, जिसमें वो अब पत्रकारों से वही सब लिखवा और कहलवा सकती है जो वो चाहती है। इसलिए ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक महत्व के आयोजन में यही चर्चा हुई कि मोदी ने जिनपिंग से कितनी देर हाथ मिलाया और पुतिन को कैसे हाथ पकड़कर अपनी तरफ खींचा। बाकी देश के लिए इस सम्मेलन का क्या हासिल रहा, या इसका भविष्य में क्या असर दिखेगा, इन बातों पर बहुतेरे पत्रकारों ने ध्यान देना छोड़ दिया है। जो पत्रकार ध्यान देते हैं, उन्हें वैसे ही परेशान किया जाता है, जैसे लखनऊ में दिव्या श्रीवास्तव को किया गया।जी हां योगी आदित्यनाथ के साथ बिल्कुल नरेन्द्र मोदी वाला हाल हुआ। नॉर्वे में पत्रकार हेले लिंग ने प्रेस को संबोधित करने आए नरेन्द्र मोदी से पूछा था कि- आप पत्रकारों के सवालों का सामना क्यों नहीं करते और मोदी बिना जवाब दिए उठ कर चले गए थे। अब लखनऊ में योगी आदित्यनाथ ने ऐसे ही एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया और फिर उनके सहयोगी ने कहा कि पत्रकार अब जलपान के लिए आमंत्रित हैं, तो दिव्या श्रीवास्तव नाम की पत्रकार ने कहा कि आपने प्रेस वार्ता बुलाई है तो सवाल क्यों नहीं करने देते। लेकिन योगी बिना जवाब दिए उठ कर चले गए। लेकिन इसके बाद अब दिव्या श्रीवास्तव को पत्रकारिता का धर्म निभाने की सजा भुगतनी पड़ रही है। जिस संस्थान में वे कार्यरत थीं, बताया जा रहा है कि उन्हें वहां से निकाल दिया गया है। उनके घर पुलिस पूछताछ करने पहुंच गई। इसके अलावा सोशल मीडिया पर धमकियों और ट्रोलिंग का सिलसिला भी शुरु हो गया। हेले लिंग के साथ भी भारतीय मीडिया के ही कुछ पत्रकारों समेत भाजपा से जुड़े लोगों ने यही व्यवहार किया था और अब दिव्या श्रीवास्तव को सत्ता से सवाल पूछने के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। दक्षिण-एशियाई और प्रवासीसरकार ऐसे ही हथकंडों से अपने विकास की गाथाएं सुनाती है। अभी उत्तरप्रदेश में चुनाव हैं, तो फिर से पत्रकारों को 10-15 हजार के सामान के साथ कलम थमाकर याद दिलाया जाएगा कि तुम पत्रकार तो हो, लेकिन भलाई इसी में है कि सरकार के पालतू बने रहो। वैसे योगी मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार का तरीका भी अपना सकते हैं। यहां यादव सरकार पर आरोप हैं कि कुछ यूट्यूबर्स को अपने पक्ष में बोलने के लिए सरकार ने तैयार कर लिया है, जो अब उन पत्रकारों पर या लोगों पर निशाना साधते हैं जो मोहन यादव सरकार पर ऊंगली उठाते हैं। हाल ही में बालाघाट जिले में दूषित पानी के कारण कम से कम 30 बैगा आदिवासी बच्चों की मौत हो चुकी है। इस मामले को कांग्रेस तो जोर-शोर से उठा ही रही है, वहीं स्कूल ठीक करो अभियान चलाने वाले अभिजित दिपके भी बीते दिनों बालाघाट पहुंचे। कॉकरोच जनता पार्टी बनाकर अभिजित दिपके किस तरह मोदी सरकार को परेशान कर चुके हैं, यह जंतर-मंतर आंदोलन ने दिखा दिया है।इसके बाद अभिजित दिपके और सीजेपी से जुड़े लोग देश भर में अलग-अलग जगहों पर पहुंच कर स्कूलों की बदहाली पर सवाल उठा रहे हैं और सरकारों को जिम्मेदारी निभाने कह रहे हैं। लोकतंत्र में ऐसे अभियानों पर आपत्ति का कोई कारण नहीं है, क्योंकि कोई संस्था हो या व्यक्ति, हर किसी को आवाज उठाने और सवाल पूछने का हक है। लेकिन अभिजित दिपके जब बालाघाट पहुंचे तो वहां उन्हें कई तथाकथित स्वतंत्र पत्रकारों ने घेर लिया और तंज कसने लगे कि आ गए लाशों पर राजनीति करने। दिपके से ऐसे सवाल करने वाले बेचारे माइकधारियों को पता ही नहीं कि कॉकरोच जनता पार्टी कोई पंजीकृत राजनैतिक दल नहीं है, न ही अब तक दिपके ने अपनी राजनैतिक प्रतिबद्धता किसी दल के साथ दिखाई है। तो वो लाशों पर राजनीति कैसे करेंगे। जहां तक सवाल पत्रकारों का है, तो अगर वे वाकई पत्रकार होते तो खुद दिपके के साथ इस बात की तह में जाने की कोशिश करते कि आखिर क्यों बच्चों को दूषित पानी पीने पर मजबूर होना पड़ा। अगर एक बच्चे की भी अकाल मौत होती है तो उस पर समूचे तंत्र को दहल उठना चाहिए कि आखिर कैसी सरकार और प्रशासन है जो मासूम बच्चे को न बचा सका, लेकिन यहां 30 से ज्यादा बच्चे मर गए और मीडिया को आपस में ही भिड़ाने का खेल सरकार ने रच दिया। राजनीतिलेकिन बालाघाट में भी पत्रकार माधुरी कटरे ने अपने तर्कों से जनसंपर्क विभाग की पोल खोल दी। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क विभाग स्थानीय पत्रकारों और ज़िले के बाहर से आए इन्फ्लुएंसर्स के बीच एक %पुल% की तरह काम करने में नाकाम रहा। उन्होंने सरकार के %पक्षपाती रवैये% की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सरकार ने राष्ट्रीय मीडिया को उस अस्पताल में जाने दिया जहां आदिवासी बच्चों का इलाज चल रहा था, लेकिन जब बालाघाट के पत्रकारों ने अंदर जाने की कोशिश की तो दरवाज़े बंद कर दिए गए। माधुरी कटरे ने साफ कहा कि हमारा भी 20-22 साल का करियर है। हमने कभी किसी के चेहरे पर कैमरा लगाकर यह नहीं कहा कि आप मौतों पर राजनीति कर रहे हैं।

गौरतलब है कि मोहन यादव सरकार बालाघाट में बच्चों की मौत के मामले में बुरी तरह फंस रही है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने हाल ही में राज्य सरकार से उस इलाके में 30 से ज़्यादा बच्चों की मौत के मामले में जवाब मांगा है। कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बालाघाट कलेक्टर और अन्य को नोटिस जारी किए हैं। याचिका में आरोप लगाया गया कि बच्चों को सही इलाज नहीं मिल रहा था और सिफ़ 50 बिस्तर की क्षमता वाले अस्पताल में लगभग 400 बच्चों का इलाज किया जा रहा था।

अब माधुरी कटरे की टिप्पणियों ने इस विवाद में एक नया पहलू जोड़ दिया है, जिससे इस मामले की रिपोर्टिंग में ज़िला प्रशासन, स्थानीय पत्रकारों और बाहरी प्रभावशाली लोगों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि आरोप यही है कि मोहन यादव सरकार ने अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए पत्रकारों के नाम पर इंफ्लुएंसर्स को रख लिया है।

संपादकीय

स्कूल के शूल

पिछले दिनों आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम का वह वीडियो पूरे देश में वायरल हुआ, जिसमें एक प्राइवेट स्कूल की शिक्षिका बच्चे को डांटती और थप्पड़ मारती नज़र आ रही थी। उसके बाद बच्चे को कटे पेड़ की तरह गिरते देखा गया। बताते हैं कि होमवर्क पूरा न करने पर टीचर ने एलकेजी के छह वर्षीय छात्र प्रणय तेजा को पहले बुरी तरह डांटा और फिर उसे जोर से थप्पड़ मारा, जो उसे एक शॉक की तरह लगा। सीसीटीवी कैमरे की पुलिस द्वारा हासिल रिकॉर्डिंग में बच्चे की पिटाई और जमीन पर गिरने का दृश्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था। बच्चे को अस्पताल ले जाया गया। जहां बताया गया है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। इस घटना के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन भी हुए। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चा घर से स्वस्थ स्थिति में स्कूल के लिए निकला था। उसे कोई रोग भी नहीं था। बाकायदा उसने स्कूल जाने की खुद जिद की। उसके पिता के अनुसार उनका परिवार एक तीर्थयात्रा पर गया था, जिसकी वजह से वह होमवर्क नहीं कर सका। इसके बाद टीचर के खिलाफ कार्रवाई और निजी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने और संवेदनशील व्यवहार की मांग तेज हुई। वहीं दूसरी ओर स्कूल प्रशासन ने दलील दी कि खेल के मैदान में गिरने की वजह से बच्चे की जान गई। बताया जाता है कि स्कूल में कोई खेल का मैदान था ही नहीं। पूरी दुनिया में ऐसे तमाम अध्ययन व शोध निष्कर्ष सामने आ चुके हैं कि स्कूली बच्चों का किसी भी तरह शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षकों का शैक्षिक दायित्व है बल्कि वे इसके लिये कानूनी रूप से भी बाध्य हैं। लेकिन विडंबना यह है कि शिक्षकों ने जाने क्यों मान लिया है कि किसी छात्र की गलती को दंडित या प्रताड़ित करके ही सुधारा जा सकता है। कहीं न कहीं यह शिक्षकों में धैर्य व तार्किक सोच की कमी को भी दर्शाता है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी पिछले दिनों ऐसी ही घटना सामने आई। वहां विनोद नगर में एक सरकारी स्कूल की ग्यारह साल की छात्रा की सजा दिए जाने के बाद मौत हो गई। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि वह क्लास में किताब लाना भूल गई। शिक्षिका ने उसे क्लास के पीछे हाथ ऊपर करके खड़े होने की सजा दी। कक्षा में इस तरह काफी देर तक खड़े रहने और अपमान से आहत होने के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। उसे इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। इसी तरह की अन्य घटना में फरीदाबाद के एक स्कूल में मामूली बात पर छात्रा को चार घंटे खड़े होने की सजा दी गई। घटना से आहत व अपमानित महसूस करके छात्रा ने स्कूल की छत से कूदकर जान दे दी। आखिर कई स्तर पर प्रशिक्षित शिक्षक इस बात को समझने का प्रयास क्यों नहीं करते कि उन्हें छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। वे क्यों नहीं सोचते कि क्लास में सबके सामने दंडित किए जाने से बच्चे के कोमल मन-मस्तिष्क पर कैसा नकारात्मक असर पड़ेगा। शीर्ष अदालत ने सभी स्कूलों के शिक्षकों के लिए इस बाबत सभी दिशा-निर्देश स्पष्ट रूप से दे रखे हैं, लेकिन इसके बावजूद अप्रिय हो रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कई शिक्षक इन कानूनी व नैतिक मापदंडों को ताक पर रखकर बच्चों को प्रताड़ित करते हैं। निस्संदेह, कोई भी शैक्षिक व्यवस्था किसी भी शिक्षक को निरंकुश व्यवहार करने और अपनी भड़ास निकालने की इजाजत नहीं देती।

दरअसल, समय के साथ-साथ बच्चों में ऐसे भाव विकसित हो गए हैं कि वे कक्षा में सार्वजनिक रूप से अपमान व प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं करते। समाज में एकल परिवार परंपरा के प्रचलन के बाद बच्चे अभिभावकों के ध्यान के केंद्र में आ गए हैं। संयुक्त परिवारों में बच्चे मान-अपमान के प्रति इतने ज्यादा संवेदनशील नहीं होते थे। लेकिन आज घर में अकेले होने के नाते मिलने वाले विशिष्ट व्यवहार की अपेक्षा बच्चा स्कूल में भी करता है। फलतः किसी दंड या ताड़ना को वह बेहद गंभीरता से लेता है। शिक्षक बिरादरी को उनके व्यवहार को संवेदनशील ढंग से देखना होगा।

ट्रम्प से निपटने में भारत की मोल-भाव करने की ताकत बढ़ी

चीन के बाद ब्रिक्स में भारत दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। शिखर सम्मेलन में चीन, भारत और रूस के बीच की दोस्ती ने निश्चित रूप से ट्रम्प को चिंता में डाला होगा। इसी तरह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान और यूएई के बीच मध्यस्थता में भारत की भूमिका पर भी ध्यान दिया होगा। ब्रिक्स बैठक ने संकेत दिया कि वैश्विक भू-राजनीति की दिशा तय करने का एकतरफा अधिकार केवल अमेरिका के पास नहीं है।

और 13 सितंबर को नई दिल्ली में हुई 18वीं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत को वैश्विक दक्षिण में अपना खोया हुआ रुतबा वापस पाने में मदद की है। यह रुतबा 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ समय बाद ही कम हो गया था। ठीक बारह साल बाद, उन्हीं नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स की विस्तारित बैठक की मेजबानी की और अपनी कूटनीतिक कुशलता दिखाई। उन्होंने आम सहमति के आधार पर संयुक्त घोषणा-पत्र सुनिश्चित किया, ईरान और पश्चिम एशिया में परस्पर विरोधियों के बीच सुलह कराई, बिना अमेरिका का नाम लिए डोनाल्ड ट्रम्प को वैश्विक दक्षिण की ओर से उनके एकतरफा टैरिफ कदमों और व्यापार युद्ध पर कड़ा विरोध जताया, और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं, जिसमें आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर जोर देने के साथ-साथ भारत की अहम सीमाओं पर भी जोर दिया गया।चीन के बाद ब्रिक्स में भारत दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। शिखर सम्मेलन में चीन, भारत और रूस के बीच की दोस्ती ने निश्चित रूप से ट्रम्प को चिंता में डाला होगा। इसी तरह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान और यूएई के बीच मध्यस्थता में भारत की भूमिका पर भी ध्यान दिया होगा। ब्रिक्स बैठक ने संकेत दिया कि वैश्विक भू-राजनीति की दिशा तय करने का एकतरफा अधिकार केवल अमेरिका के पास नहीं है। ब्रिक्स बहुपक्षवाद में विश्वास करता है, और ब्रिक्स समूह की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाएं - भारत, रूस और चीन- भी इसी सोच को साझा करती हैं।क्या ब्रिक्स बैठक के दौरान मोदी के प्रदर्शन का मतलब यह है कि वह ट्रम्प से दूरी बना रहे हैं? इसका जवाब है - बिल्कुल नहीं। नरेंद्र मोदी पक्के तौर पर आरएसएस से जुड़े रहे हैं। वह दक्षिणपंथी भाजपा का चेहरा हैं। ट्रम्प खुद को वैश्विक दक्षिणपंथी खेमे का असली नेता मानते हैं। उनमें कई समानताएं हैं। लेकिन, साथ ही, नरेंद्र मोदी एक गर्वित राष्ट्रवादी भी हैं जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और सबसे बड़े घरेलू बाजार वाले देश का नेतृत्व कर रहे हैं। ब्रिक्स बैठक के बाद नरेंद्र मोदी का बढ़ा हुआ कद उन्हें आने वाले दिनों में डोनाल्ड ट्रम्प के साथ मजबूत स्थिति से बातचीत करने में मदद करेगा।

ट्रम्प इस साल दिसंबर में मियामी में जी-20 बैठक की मेजबानी कर रहे हैं। इस बात की संभावना है कि उसी समय के आसपास क्वैड का शिखर सम्मेलन भी हो सकता है, जिसका मतलब है कि भारत इसका मेज़बान नहीं होगा, जैसा कि पहले तय किया गया था। छह हफ़्ते बाद, 3 नवंबर को अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होंगे। अगर संकेत सही साबित होते हैं और रिपब्लिकन पार्टी हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों में हार जाती है, तो ट्रंप पर भारी दबाव होगा। 2028 में उनका कार्यकाल खत्म होने तक उनकी राष्ट्रपति पद को कोई खतरा नहीं है, लेकिन 2028 के राष्ट्रपति चुनावों को ध्यान में रखते हुए ट्रंप को घरेलू मुद्दों पर ज़्यादा ध्यान देना होगा।इसलिए, भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की अंतिम शर्तों पर बातचीत करने के लिए बेहतर स्थिति में होगा, जो कि अंतिम रूप दिए जाने के चरण में है। साथ ही, क्वैड बैठक के संबंध में, बीजिंग में अपने पिछले शिखर सम्मेलन के बाद से ही ट्रंप ने भारत-प्रशान्त क्षेत्र में अमेरिकी प्राथमिकता को कम कर दिया है। इसलिए, क्वैड बैठक बिना किसी खास महत्व के सिर्फ़ एक सामान्य कार्यक्रम बन कर रह सकती है। भारत सहयोगी बने रहते हुए भी अमेरिका के सामने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता पर ज़ोर देने में सहज महसूस करेगा, और 2025 और 2026 के शुरुआती समय के मुकाबले बेहतर स्थिति में होगा।

भारत-चीन संबंधों में सुधार के अलावा, शी-मोदी द्विपक्षीय बैठक की बातों और शी द्वारा कही गई बातों के महत्व पर ध्यान देना दिलचस्प होगा। भारतीय प्रधानमंत्री ने शी के साथ अपनी बैठक में सीमा से जुड़े मुश्किल मुद्दे पर ज़ोर दिया। लेकिन शी कुछ और ही योजना लेकर आए थे। चीनी नेता भारत को चीन के दबदबे वाली वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भागीदार बनाने की संभावना पर ज़्यादा ध्यान दे रहे हैं। चीनी अधिकारी भारत और चीन दोनों के लिए फ़ायदेमंद स्थिति की बात कर रहे हैं, अगर ब्रिक्स की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इस नेक कोशिश में सहयोग करती हैं। इसका मतलब होगा भारत में ज़्यादा चीनी निवेश और साथ ही, ज़्यादा भारतीय वैश्विक निर्यात।

भारतीय अधिकारियों को चीनी प्रस्ताव की बारीकी से जांच करनी होगी और यह देखना होगा कि भारत को क्या फ़ायदे हो सकते हैं, और क्या चीन से कोई सुरक्षा खतरा है। इसी तरह, ओपन-सोर्स एआई प्लेटफ़ॉर्म के लिए शी का एक्शन प्लान अमेरिका के लिए एक चुनौती है। भारतीय पक्ष को शी के महत्वाकांक्षी प्रस्ताव के सभी पहलुओं पर विचार करना होगा, क्योंकि भारतीय भी वैश्विक स्तर पर एआई के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाते हैं। शी की बातों से यह साफ़ था कि अगले पांच सालों के लिए भारत के साथ चीन की प्राथमिकता आर्थिक सहयोग है। इसमें ज़्यादा व्यापार और निवेश शामिल हैं। सीमा और अरुणाचल को लेकर मतभेदों जैसे राजनीतिक मुद्दे मौजूदा स्थिति में ही बने रहेंगे, या जिसे कई चीनी जानकार रणनीतिक गतिरोध' कहते हैं, वैसी ही स्थिति रहेगी। चीन यह पक्का करेगा कि शांति बनी रहे, ताकि आर्थिक सहयोग में राजनीतिक अड़चनें न आएं।कुल मिलाकर, ब्रिक्स नई दिल्ली शिखर सम्मेलन से भारत के लिए संदेश यह है कि नरेंद्र मोदी को अमेरिका और चीन, दोनों के संबंध में भारत की विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता का इस्तेमाल करते समय ज़्यादा मज़बूती दिखानी होगी। जहां तक रूस की बात है, तो 1991 में सोवियत संघ के टूटने से पहले और उसके बाद भी रूस के साथ भारत के गहरे भावनात्मक और संरचनात्मक संबंध हैं। अपने कार्यकाल के शुरुआती वर्षों में नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया, जो निराशाजनक था। लेकिन तीसरे कार्यकाल में खाड़ी संकट के कारण भारत को रूस से बड़ी मात्रा में तेल आयात करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पिछले दो वर्षों में रूस ने भारत को भुगतान संतुलन के संकट से निपटने में मदद की है। अब भारत सरकार को रक्षा सौदों और पेट्रोलियम आयात बढ़ाने के अलावा रूस के साथ सहयोग के अन्य क्षेत्रों का भी विस्तार करना चाहिए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास अब भारतीय विदेश नीति को नया रूप देने और उसे अधिक स्वतंत्र आधार पर स्थापित करने का एक बड़ा अवसर है। साथ ही, उन्हें रणनीतिक स्वायत्तता के आधार पर तीनों बड़ी ताकतों-अमेरिका, चीन और रूस- के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने होंगे। ब्रिक्स के नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में भारत को जो लाभ मिले हैं, प्रधानमंत्री उनका किस तरह उपयोग करते हैं, इस पर दुनिया भर के पर्यवेक्षकों की पैनी नज़र रहेगी। खासकर इसलिए भी क्योंकि चीन भारत से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा और 2027 में शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

छोटी बातें बड़े काम की..

दूध को उबलने से बचाने के लिए बर्तन के किनारों पर जरा सा घी लगा दें।

- विटामिन ई के कैप्सूल के अंदर से निकलने वाले पाउडर को जले हुए स्थान पर लगाने से जल्द आराम मिल जाता है।
- नेल पॉलिश को परफ्यूम की सहायता से साफ किया जा सकता है।
- -अगर जूतों के फीतों की टिप निकल जाए तो फीते के किनारों पर नेलपालिश लगाकर उसे सख्त किया जा सकता है।
- कांच के सामान को धोने से पहले वाशबेसिन में तौलिया बिछा दें इससे उनके टूटने या चटकने की संभावना कम रहती है।
- टी-बैग्स को गर्म पानी में भिगोकर उस पानी को करीब बीस मिनट के लिए अपनी आंखों के नीचे लगाने पर वहां की सूजन को दूर किया जा सकता है।
- इंजेक्शन लगने के बाद होने वाली तकलीफ, सनबर्न तथा रेजर से कट जाने पर कुछ टी-बैग्स को पानी में भिगोने के बाद चोट वाले स्थान पर लगाएं।
- कुम्हलाई हुई सब्जियों को नींबू की कुछ बूंद पड़े ठंडे पानी में एक घंटा तक भिगो दें। सब्जियां ताजा हो जाएंगी।
- चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए उबालते समय इसमें सूखे या ताजे संतरे के कुछ छिलके डाल दें।
- रबर बैंड को गर्मी के कारण चिपकने से बचाने के लिए उसके डिब्बे में थोड़ा सा टैल्कम पाउडर डाल दें।
- जले हुए दूध की महक दूर करने के लिए इसमें पान के दो पत्ते डालकर कुछ मिनट उबालें।

स्टोन पेंटिंग से सजाएं घर

इमारतों के निर्माण के साथ घर की सजावट में भी पत्थरों की अहम भूमिका है। आर्टीफेक्ट्स के अलावा पत्थरों के जरिये बनाई जाने वाली पेंटिंग्स की खूबसूरती का भी कोई जवाब नहीं। घर के लिविंग रूम, किड्स रूम और बेडरूम के अलावा पूजाघर की सज्जा में भी ऐसी पेंटिंग्स का इस्तेमाल किया जा सकता है..

संगमरमर, ग्रेनाइट, कोटा स्टोन या फिर कसौटी पत्थर के विविध रूपों का इस्तेमाल बिल्डिंग्स के निर्माण और उनकी सजावट के लिए वर्षों से होता रहा है। लाल पत्थर से बने बात चाहे दिल्ली के लाल किला की हो या फिर सफेद संगमरमर से दमकते ताजमहल की। सैंड स्टोन से बने कोणार्क के सूर्य मंदिर और लिंगराज मंदिर की खूबसूरती भी कुछ कम नहीं। वैसे इन सभी इमारतों में एक चीज समान है और वो यह कि पत्थर से विभिन्न तरह के पत्थरों से बनी इन इमारतों की खूबसूरती अद्वितीय है। इमारतों के निर्माण, उनकी फ्लोरिंग आदि से लेकर पत्थरों से बने आर्टीफेक्ट्स के जरिये घर व ऑफिस की सुंदरता बढ़ाने के पत्थरों का इस्तेमाल वैसे तो सदियों से किया जा रहा है। लेकिन आज के दौर में पत्थर का इस्तेमाल एक नए रूप में भी हो रहा है। जिसे जाना जाता है स्टोन पेंटिंग के नाम से।

पत्थरों के रंग-बिरंगे छोटे-बड़े टुकड़ों का चूरा बनाकर विविधता भरे डिजाइनों पर इन्हें चिपका कर चमकीली स्टोन पेंटिंग तैयार की जाती है। जो कि देखने में बेहद आकर्षक होती है। इस तरह की पेंटिंग से घर की सज्जा को नई जीवंतता दी जा सकती है। ऐसी पेंटिंग तैयार करने के लिए ऐमेथिस्ट, कैल्सीडोना, कोर्नोलियन, एग्टे, ब्लड स्टोन आदि का इस्तेमाल किया जाता है। स्टोन पेंटिंग बनाने के लिए कैनवास पर मनचाही आकृति बना लेने के बाद उस पर गोंद जैसा एक खास तरह का चिपकने वाला पदार्थ लगाया जाता है। इसे लगाने के बाद बड़ी सफाई के साथ कैनवास या शीट पर रंग-बिरंगे पत्थरों को चिपकाने के बाद सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है।

पूरी तरह सूख जाने के बाद इन पेंटिंग्स के रंगों में भी ऑयल पेंटिंग जैसा ही लुक आ जाता है। यह भी आप और आपके घर आने वाले मेहमानों का उतना ही ध्यान आकर्षित करने में समक्ष हैं जितना कि ऑयल या फिर ग्लास पेंटिंग की खूबसूरती किसी को आकृष्ट करती है।

अगर आप अपने घर को इस तरह की पेंटिंग से सजाना चाहते हैं तो विभिन्न बाजारों से इन्हें खरीद सकते हैं। आर्ट गैलरीज के अलावा साउथ एक्सटेंशन के डिपार्टमेंटल स्टोर्स, कनॉट प्लेस और हौज खास जैसे इलाकों में स्थित आर्ट गैलरियों में इनकी विविधता भरी वेरायटी देखी जा सकती है। स्टोन पेंटिंग के रूपों में जहां राजसी परिवारों के

राजा और रानियों के चित्र देखे जा सकते हैं, वहीं इनके जरिये की गई लैंड-स्केपिंग भी आंखों को कुछ ऐसी ताजगी देती है कि मन करता है कि पेंटिंग से नजरें हटाई ही न जाएं। आप चाहें तो ईश्वर की आकृतियां वाली स्टोन पेंटिंग भी ले सकते हैं। खासकर घर या फिर ऑफिस के पूजाघरों के लिए इन्हें उपयुक्त कहा जा सकता है। इसके अलावा बच्चों के कमरों में इन्हें सजाने के लिए उनके पंसदीदा कार्टून कैरेक्टर्स के चेहरे के रूप में भी लिया जा सकता है।

जहां तक ऐसी पेंटिंग्स की कीमत का सवाल है तो इसमें इनका आकार महत्वपूर्ण भूमिका निभता है। साथ ही पेंटिंग बनाने में कैसे और कौन सी किस्म के पत्थर का इस्तेमाल किया गया है, यह भी उसकी कीमत को प्रभावित करती है। वैसे डेढ़ फुट की लंबाई-चौड़ाई वाल ी ऐसी पेंटिंग के लिए आपको कम से कम कम डेढ़ हजार रुपये का बजट रखना होगा। जैसे-जैसे आकार और पेंटर की मेहनत बढ़ेगी इसकी कीमत में भी इजाफा होता जाएगा।

पेंटिंग के पत्थरों से बनने की वजह से अगर आप इनकी देख-रेख को लेकर चिंतित हैं, तो फिक्र की कोई बात नहीं, क्योंकि फोटोग्राफ्स की तरह आमतौर पर इन्हें फ्रेम करा दिया जाता है, जिससे कि पत्थरों पर धूल-मिट्टी न पड़े। हां, अगर फ्रेम के शीशों पर धूल जमे तो सूखे और फिर हल्के गीले कपड़े से इन्हें साफ किया ही जा सकता है।

आम तौर पर पेंटिंग के रूप में घरों में ज्यादातर ऑयल कलर्स की पेंटिंग्स ही देखने को मिलती हैं। लेकिन अपने घर में कुछ अलग और नया करने के लिए आप भी स्टोन पेंटिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसा हो किचन

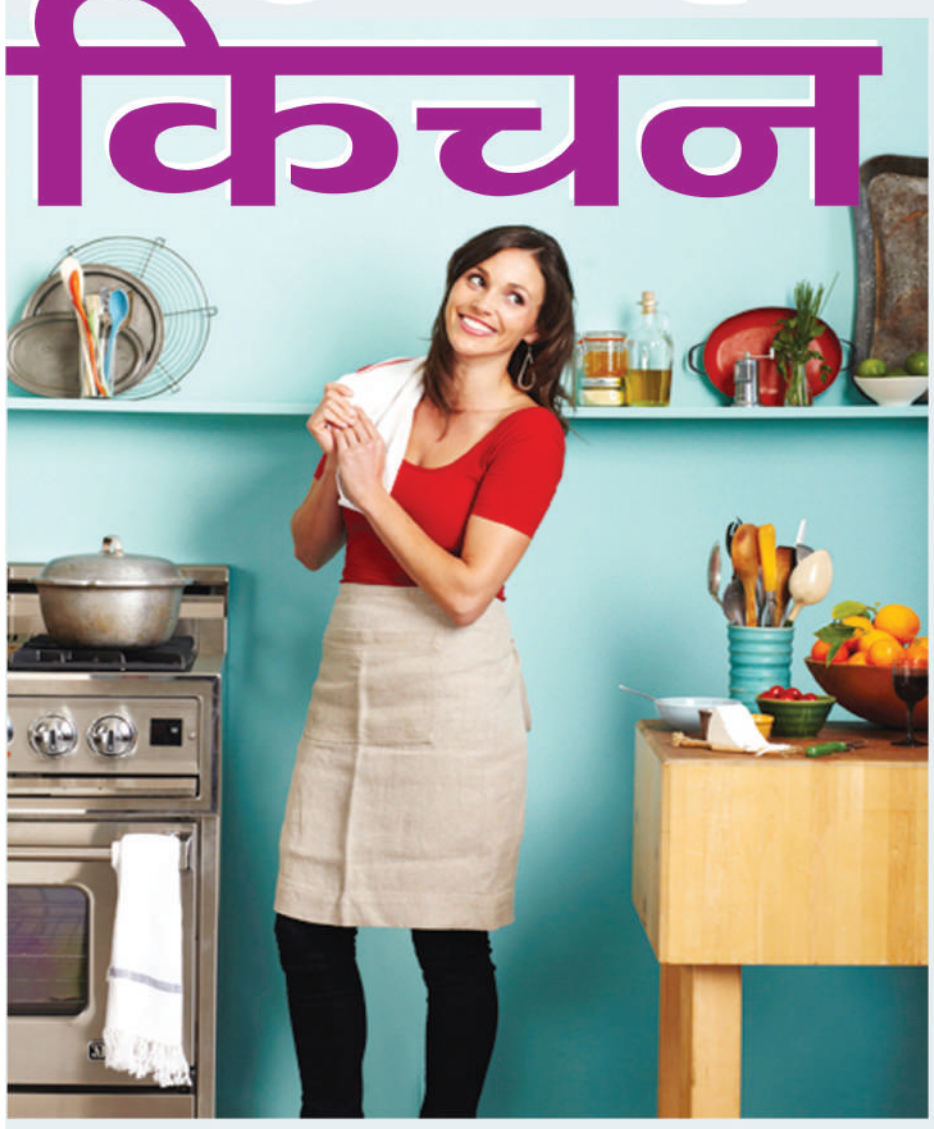

परिवार छोटा हो या बड़ा, बैचलर हों या फिर बुजुर्ग, हर किसी के लिए कुछ अलग तरह के किचन की जरूरत पड़ती है। बुजुर्ग और बड़े परिवार के लिए कैसा हो किचन और कैसी सुविधाएं हों इसमें मौजूद..

घर में बैचलर हों तो छोटे किचन से काम चल जाता है, लेकिन परिवार बड़ा हो तो किचन में ज्यादा स्पेस का होना स्वाभाविक भी है। साथ ही खाना बनाने के अलावा दूसरे अप्लायंसेज की जरूरत भी कुछ ज्यादा ही होती है। इसी तरह से यदि घर में सिर्फ बुजुर्ग ही हों तो भी किचन में कुछ खास चीजों के अलावा किचन का डिजाइन अलग तरह का होना जरूरी है। कैसे परिवार के लिए कैसा हो किचन आइये जानते हैं-

बुजुर्गों के लिए

- पहले आप जितना चल-फिर पाते थे या काम कर पाती थीं हो सकता है अब आप उतना मूव नहीं कर पाएं इसलिए किचन ऐसे ढंग से व्यवस्थित करें जहां आपको बार-बार पीठ झुकानी और घुटने मोड़ने न पड़े। आपकी जरूरत का सारा सामान आपके चारों ओर हो। यहां दिए गए उपायों को अपनाकर आप अपने किचेन को सुविधाजनक बना सकते हैं।
- ऐसी फ्लोरिंग चुनें जिसे साफ करना आसान हो। इसके लिए सिरेमिक टाइल्स, टेक्सचर्ड टाइल्स, बैंबू या इसी प्रकार कोई भी फ्लोर मटीरियल चुनें। ताकि फिसल कर गिरने का डर भी न हो।
- बुजुर्गों के लिए मॉड्यूलर किचन बेस्ट विकल्प है। ताकि नीचे वाले कैबिनेट का इस्तेमाल करने में ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े। किचन के अंदर ही मेज और दो कुर्सी की व्यवस्था ताकि सब्जी वगैरह काटते समय या बीच में आराम के लिए बैठा जा सके।
- किचन का लेआउट इस प्रकार हो कि वह सुरक्षित भी हो। सामने की तरफ एक खिड़की भी हो ताकि वेंटीलेशन हो सके।
- सीढ़ियों का प्रयोग न करें। अगर आप रैंच होम में रह रहे हैं तो सीढ़ियों को पाट दें या बराबर कर दें ताकि दिनभर ऊपर नीचे न करना पड़े।
- किचेन खुला और जगह वाला चाहिए ताकि आपको चलना-फिरना आसान हो।
- डाइनिंग एरिया के निकट ही किचेन होना चाहिए। ताकि पुरानी हैवी कटलरी/डिशेज़ उठाकर डाइनिंग टेबल तक ले जाना आसान हो। आप चाहें तो सामान ले जाने के लिए ट्रॉली का इस्तेमाल भी कर सकते हैं लेकिन इसके किचेन की फ्लोरिंग फ्लैट होनी चाहिए।
- सबसे महत्वपूर्ण है नेचुरल लाइट। इस उम्र में नजर कमज़ोर होने के कारण चीजों को देखना भी मुश्किल हो जाता है इसलिए तेज लाइट की व्यवस्था होनी जरूरी है।
- किचेन का रंग हलका चुनें ताकि वह खुला-खुला व साफ नजर आए।

5 जरूरी चीज़ें

- वाइब्रेटिंग लिक्विड लेवल इंटीकेटर
- माइक्रोवेव
- फूड एटीमर
- पोर होल्डर
- नॉन-स्लिप प्लेसमैंट

बड़े परिवार के लिए

ऐसे परिवार में आमतौर पर किचन के काम के लिए घरेलू सहायक होते हैं। इसलिए यहां बड़े और खुली जगह वाले किचन की जरूरत होती है। किचन का रोजमर्रा और 80 प्रतिशत काम घरेलू सहायक करते हैं इसलिए होममेकर के लिए उसी किचन में अपनी पसंद का कुछ बनाने के लिए सैपरेट काउंटर और बर्नर की जरूरत होती है।

- ऐसे परिवार के लिए लेजर किचन परफेक्ट होता है। यहां सामान डबल होता है। किचन अप्लायंस और उपकरणों का डबल सेट होता है। इसमें बार भी होता है।
- दो फ्रिज रखने के लिए कैबिनेट होना चाहिए।
- बर्तन धोने की जगह अलग होनी चाहिए और छोटी-मोटी जरूरत के लिए छोटा सिंक किनारे बनवाना चाहिए।
- छह बर्नर वाला एक चूल्हा और दो बर्नर वाला एक चूल्हा रखना चाहिए।
- फ्लैप ग्रेनाइट का रखें और काउंटर आर सी सी बेस होनी चाहिए ताकि अगर कभी कोई सामग्री कूटनी हो तो प्लैटफार्म में दरार न पड़े।
- टाइल्स फ्लोर रखें ताकि किचन बड़ा और साफ सुथरा दिखे। स्टोरेज की जगह जरूरी है।
- रंग ओक या बेज रखें ताकि खुला-खुला नजर आए।
- जगह बड़ी हो तो किचन के मध्य में डाइनिंग टेबल भी रख सकते हैं ताकि खाना बनाने के साथ परिवार के लोग होममेकर के साथ एंजॉय भी कर सकें। लाइव कुकिंग का मज़ा ही अलग होता है।

5 जरूरी चीज़ें

- स्लो कुकर/क्रॉकपॉट
- मीट टेंडराइज़र
- फूड प्रोसेसर
- स्टॉकपॉट

..ताकि तंग न करें सीढ़ियां

अगर आप भी अपना घर बनवाने जा रहे हैं तो उसमें सीढ़ियों का विशेष ध्यान रखें। सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई का सही अनुपात, घर के सदस्यों को आसानी से ऊपरी मंजिलों तक पहुंचाने और नीचे लाने में सहायक होगा..

जमीन खरीदकर मनमाफिक आशियाना बनवाने की चाह रखने वालों की कमी आज भी कुछ कम नहीं। क्या आपकी भी कुछ ऐसी ही ख्वाहिश है? अगर जवाब हां में है तो प्लॉट पर घर की कंस्ट्रक्शन कराते समय कुछ चीजों का खास ध्यान रखना जरूरी है। कंस्ट्रक्शन से पहले जाहिर है सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप सॉयल टेस्टिंग तो कराएंगे ही साथ ही घर को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रखने भूकंप-रोधी संरचना तैयार कराने पर भी विचार करेंगे। इन सब के साथ यह जरूर ध्यान रखें कि जब आप घर का नक्शा या फिर डिजाइन किसी आर्किटेक्ट से डिजाइन कराएं तो उसे सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई पर विशेष ध्यान देने को कहें। वैसे अक्सर ऐसा भी होता है कि ज्यादातर लोग आर्किटेक्ट की मदद के बगैर ही कांट्रेक्टर के बताए नक्शे के मुताबिक प्लॉट पर कंस्ट्रक्शन कराना आरंभ कर देते हैं। इसका असर तब दिखता है जब वे घर में रहना शुरू करते हैं। ऐसी ही कुछ परेशानियों में सीढ़ियां भी एक हैं। अक्सर प्लॉट के आकार के छोटा होने पर तंग सीढ़ियां बना दी जाती हैं और फिर उस घर में रहने वाले जब भी सीढ़ियों पर चढ़ते उतरते हैं तो हमेशा तंग ही होते रहते हैं। ऐसे में कुछ चीजों का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइये जानते हैं-

- सीढ़ियां बनाते समय हेड रूम का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे कि लंबे व्यक्तियों का सिर छत से न टकराए। अक्सर ऐसा होता है कि जल्दीबाजी में सीढ़ियों से उतरते हुए सिर अथवा माथा छत या छज्जे से टकरा जाता है और चोट लग जाती है।
- सीढ़ियों को कम से कम 840 एमएम और ज्यादा से ज्यादा एक मीटर तक अपनी जरूरत के अनुसार रखना चाहिए।
- अच्छी सीढ़ी वही है जिसमें चढ़ते और उतरते वक्त आपको बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। आम तौर पर किसी भी वयस्क का एक पग यानी स्टेप 600 एमएम यानी 2 फुट का होता है। इसको ध्यान में रखते हुए ही सीढ़ियों का निर्माण कराएं।
- यह ध्यान रखें कि सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते हुए दुगनी ऊर्जा लगानी पड़ती है, ऐसे में अगर सीढ़ियां ऊंची-नीची होंगी, उनमें सामंजस्य नहीं होगा तो दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी।
- घर में इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ियों में 250 एमएम का ट्रेड और 165 एमएम से 175 एमएम तक का राइजर इस्तेमाल में लाया जा सकता है। आप इसे ज्यादा से ज्यादा 220 तक का रख सकते हैं। अगर राइजर ज्यादा ऊंचा होगा तो पैर भी ज्यादा ऊंचाई तक उठाने होंगे, जिससे चंद सीढ़ियां चढ़ने के बाद ही थकान महसूस होने लगेगी।
- सीढ़ियां इस तरह डिजाइन कराई जानी चाहिए कि उस तक आसानी से पहुंचा जा सके।
- अगर कमरों के दरवाजे सीढ़ियों के साथ खुल रहे हों तो ऐसे में कम से कम 310 मिलीमीटर तक की न्यूनतम दूरी जरूरी बनाकर रखनी चाहिए। इसका फायदा यह होगा कि कमरे से सीढ़ियों तक आसानी से स्टेप-अप किया जा सकेगा।
- सीढ़ियों को कभी बहुत तंग नहीं रखना चाहिए। ऐसा होने से खासकर ऊपरी मंजिलों पर फर्नीचर चढ़ाने और उतारने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।
- सीढ़ियों की डेकोरेशन के लिए तमाम तरह के विकल्प मौजूद हैं। इन्हें सजाने में सबसे ज्यादा भूमिका रेलिंग की होती है। रेलिंग के लिहाज से आयरन या फिर स्टील फिनिश वाली रेलिंग का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।

BTS के V से शादी करना चाहती हैं

अरिशफा खान

काजी तौकीर ने भेज दिया रिश्ता!

रियलिटी शो बिग बॉस अपने ड्रामे, ट्विस्ट और कंटेस्टेंट्स के बीच होने वाली तीखी बहस के लिए जाना जाता है. हालांकि, शो में कई बार ऐसी दोस्तियां और रिश्ते भी देखने को मिलते हैं, जिन्हें दर्शक काफी पसंद करते हैं. ऐसा ही कुछ इस बार बिग बॉस 20 में भी देखने को मिल रहा है. घर में अरिशफा खान और काजी तौकीर की बॉन्डिंग दर्शकों का ध्यान खींच रही है. अरिशफा प्यार से काजी को डैड कहती हैं और दोनों अक्सर घर में मस्ती-मजाक करते नजर आते हैं.

काजी वैसे तो घर में सभी के साथ दोस्ती बनाए हुए हैं. लेकिन अरिशफा के साथ उनका बॉन्ड दर्शकों को सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है. वो एक्ट्रेस को अपने बच्चे की तरह मानते हैं. इस बीच काजी ने बाप वाला फर्ज भी निभा दिया है. दरअसल, काजी ने अरिशफा के लिए शादी का रिश्ता मांगा है वो. सिंगर एक्ट्रेस की शादी BTS के V से कराना चाहते हैं.

अरिशफा के लिए BTS के V को भेजा रिश्ता

हाल के एक एपिसोड में काजी तौकीर अरिशफा के पापा बनकर उनका रिश्ता BTS के V यानी किम तेह्युंग के लिए भेजते नजर आए हैं. अरिशफा ने काजी से कहा कि वो उनकी तरफ से V को शादी का

प्रपोजल भेजें. इसके बाद काजी कैमरे की तरफ देखते हुए मजाकिया अंदाज में बोले, कोरियन V, किम तेह्युंग, सुनो, ये तुमसे शादी करना चाहती है. मैं इसका पिता हूं, ये मेरी बेटी है. मैं इसे तुम्हारे लिए लेकर आऊंगा. इसके बाद अरिशफा भी मजाक में शामिल हो गईं और बोलीं, V, प्लीज मुझसे शादी कर लो. काजी ने भी मजाक को आगे बढ़ाते हुए कहा कि वो V से उनका फेमस I am a rockstar baby वाला डांस स्टेप भी करवाएंगे.

अरिशफा ने की BTS के V की तारीफ

अरिशफा ने BTS के V की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत अच्छा डांस करते हैं और दुनिया के सुपरस्टार हैं. उन्होंने BTS को दुनिया का नंबर 1 K-Pop ग्रुप भी बताया. अरिशफा ने काजी से पूछा कि क्या वह BTS के बारे में जानते हैं. इस पर काजी ने कहा कि उन्होंने ग्रुप के बारे में सुना तो है, लेकिन उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है. हालांकि, इस पूरे मजाक के बीच एक बात ने देसी ARMY का ध्यान खींच लिया। अरिशफा ने BTS के V का नाम किम तेहून बोल दिया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस के मजेदार रिएक्शन आने लगे.

एक यूजर ने लिखा, काजी अपनी बेटी अरिशफा के लिए किम तेह्युंग (V) को रिश्ता भेज रहे हैं. भाई सच में पूरे देसी डैड मोड में चले गए. वहीं एक दूसरे यूजर ने मजाक करते हुए लिखा, उसे उनका नाम तक कैसे नहीं पता? एक अन्य कमेंट में लिखा गया कि काजी अपनी बेटी अरिशफा के लिए BTS के V को रिश्ता भेज रहे हैं और क्योंकि काजी की अरिजीत सिंह से दोस्ती है, इसलिए शायद वह दोनों की मुलाकात भी करवा सकते हैं. एक यूजर ने अरिशफा के नाम गलत बोलने पर लिखा, किम तेहून कौन है? उसे उनका नाम बोलना तक नहीं आता.

यहीं पटक कर फेंक दूंगा साइड में...अरिशफा खान को स्काउट की धमकी, कैप्टंसी टास्क में बवाल

भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे फिलहाल सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' का हिस्सा हैं. इस वक्त घर में हैं और खुलकर सबसे भिड़ती हुई नजर आ रही हैं. इस वक्त शो में जो दो ग्रुप बंट गए हैं, उनमें से एक में आम्रपाली दुबे भी हैं. जिनकी माही विज से काफी लड़ाई देखने को मिल रही है. खैर, इन सबके बीच आम्रपाली दुबे ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री का एक पॉपुलर किस्सा बताया है. जब एक फाइट सीन को लेकर रवि किशन और मनोज तिवारी आपस में भिड़ गए और फिर वो शूट 6 घंटे तक अटका ही रहा. हालांकि, दिनेश लाल यादव ने दोनों के बीच आकर वो मामला सुलझाया था.

हाल ही में 'बिग बॉस 20' के घर में आम्रपाली दुबे ने भोजपुरी फिल्म 'गंगा जमुना सरस्वती' के सेट का एक मजेदार किस्सा याद किया. इस पिक्चर में रवि किशन, मनोज तिवारी और दिनेश लाल यादव (निरहुआ) भी थे. पर एक फाइट सीन को लेकर रवि किशन और मनोज तिवारी के बीच बात ही नहीं बन रही थी और काम घंटों तक रुका रहा.

रवि किशन-मनोज तिवारी के बीच कैसे बनी बात ?

'बिग बॉस 20' में बातचीत के दौरान आम्रपाली दुबे ने आगे बताया कि रवि किशन और मनोज तिवारी के बीच एक फाइट सीन होना था. और इस सीन की वजह से शूटिंग 6 घंटे तक रुकी रही. दरअसल दोनों एक्टर इस बात पर सहमत नहीं हो पा रहे थे कि पहला पंच कौन मारेगा? वो कहती हां- मैं आपको एक कहानी सुनाती हूं. आप सब हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे. फिल्म में रवि किशन और मनोज तिवारी दुश्मन का रोल निभा रहे थे. उन्हें एक फाइट सीन शूट करना था. पूरे दिन की शूटिंग एक मामूली से सवाल पर अटकी रही-कौन किसे पहले पंच मारेगा?

कैसा था दोनों स्टार्स का रोल ?

आम्रपाली दुबे ने बताया कि मनोज भैया को सीन में पुलिस लेने आई थी. इसलिए पुलिस ही पहले मारेगी. रवि भैया ने कहा कि जब पिछले डायलॉग में ही यह तय हो चुका है कि 'यह मेरा इलाका है', तो कोई मुझे कैसे मार सकता है? इस लड़ाई को खत्म खत्म करने के लिए आखिरकार दिनेश लाल यादव को बीच में आना पड़ा.

मैंने मां बोला, बहन बोला...माही विज ने तोड़ा यंग का दिल, फूट-फूट कर रोए, कहा- मैं हार गया

सलमान खान के रिएलिटी शो बिग बॉस सीजन 20 में कब, कौन किसका दोस्त और कौन किसका दुश्मन बन जाए, अंदाज़ा लगाना मुश्किल है. एक दिन पहले तक जो माही विज और यंग डीएसए एक दूसरे के सबसे करीब नज़र आ रहे थे. यंग माही को अपनी बहन और मां बोल रहे थे, आज वहीं यंग और माही एक दूसरे के खिलाफ होते दिखाई दे रहे हैं. माही ने जो यंग के लिए कहा, उसे जानने के बाद उनका दिल टूट गया और वो शो में फूट फूट कर रोते नज़र आ रहे हैं.बिग बॉस 20 के लेटेस्ट प्रोमो में यंग डीएसए का इमोशनल रूप सबसे सामने आया है. अब तक यगं घर में अपने बोलने के अंदाज और हाजिरजवाबी को लेकर चर्चा में रहे थे. पर इसबार उनकी आंखों से बहने वाले आंसूओं ने उन्हें सोशल मीडिया पर चर्चा में ला दिया है.

माही ने तोड़ा यंग का दिल

बिग बॉस 20 ने जो प्रोमो जारी किया है, उसमें यंग डीएसए माही विज के रवैये को दिल से लगाकर फूट फूट कर रोते दिख रहे हैं. घर में यंग स्काउट, ईशा रिखी और आसिफ खान से अपने दिल की बात शेयर करते दिखाई दे रहे हैं. वो बताते हैं, टास्क

करने से पहले मेरे साथ में नाच रही थी वो माही. और टास्क के बाद से मेरे को ऐसा..मेरे लोग भी मुझे अपना मानना चाहिए न? अगर वो मुझे मानते ही नहीं तो फिर कैसे मेरे लोग? ये तो फिर सिक्का पलट गया न ब्रो.

आगे यंग इमोशनल होते हुए माही के बारे में वो बात बताते हैं, जो उन्हें मैरी कॉम ने बताई थी. वो कहते हैं, पर उसने मुझे ये जरूर बोला था कि मैं तेरे साथ में हमेशा हूं. रात में मुझे मालूम पड़ा कि वो बोल रही है कि 'गलती किया अपना बेटा बना कर, मेरी बेटी की कसम खा कर बोला. और गाली दिया.

पीछे से सब यही करते हैं...

माही के बारे में जानकर यंग को बड़ा झटका लगा. वो कहते हैं, आज अभी मुझे लग रहा है कि मैं हार गया. मेरे से सब यही बोलते हैं कि प्यार करते, प्यार करते, प्यार करते, पर पीछे से सब यही करते हैं मेरे साथ. मैंने क्या गलत किया ब्रो. मैंने मां बोला रे, मैंने मां बोला, बहन बोला.

तमन्ना भाटिया

या सिद्धार्थ मल्होत्रा, 'द वन' के किस एक्टर के पास है ज्यादा दौलत?

सिद्धार्थ मल्होत्रा की एक्शन-थ्रिलर फिल्म का 'द वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' का इंतजार हो रहा है. यह भारतीय लोककथाओं और जंगलों के रहस्यों पर बेस्ड एक ग्रैंड प्रोजेक्ट है. सिद्धार्थ इस फिल्म में एक रफ-एंड-टफ योद्धा के तौर पर दिख रहे हैं. जबकि, उनके अपोजिट फिल्म में बतौर फीमेल लीड तमन्ना भाटिया काम कर रही हैं. जी हां, 25 सितंबर को यह फिल्म रिलीज होगी, जिसके लिए कुछ ही दिन बाकी रह गए हैं. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है. इसी बीच जानिए सिद्धार्थ और तमन्ना में से कौन ज्यादा अमीर है?दरअसल सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया लगातार कई फिल्मों पर काम कर रहे हैं. अगर इस साल के एंड में 'रेंजर' आती है, तो फिर तमन्ना फिर से दिखाई देंगी. हालांकि, एक्ट्रेस ने डांस नंबर्स को छोड़कर फिलहाल फुल फ्लैज्ड रोल पर फोकस किया है. वहीं, सिद्धार्थ का नाम भी कई और प्रोजेक्ट्स से जुड़ रहा है. बताते चलें कि इस फिल्म का डायरेक्शन दीपक कुमार मिश्रा संभाल रहे हैं.

तमन्ना या सिद्धार्थ, कौन ज्यादा अमीर है ?

तमन्ना भाटिया न सिर्फ साउथ, बल्कि हिंदी सिनेमा की भी सबसे सफल और ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस में से एक हैं. तमन्ना हर फिल्म के लिए लगभग 3 करोड़ से 5 करोड़ की फीस चार्ज करती हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो कई बड़े ब्रांड्स का एड करती हैं, जिससे सालाना करोड़ों में कमाती हैं. मुंबई के वर्सोवा इलाके में उनके पास एक आलीशान लग्जरी अपार्टमेंट है. वहीं उनका अपना ज्वेलरी ब्रांड भी है. एक्ट्रेस की कुल संपत्ति 120 करोड़ से 130 करोड़ रुपये के बीच बताई गई है.

एक्ट्रेस इस फिल्म में एक दिलचस्प किरदार निभाती दिख रही हैं, जिसे लेकर फैन्स काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं. देखना होगा कि तमन्ना फैन्स को कितना इम्प्रेस कर पाती हैं.

वहीं, सिद्धार्थ मल्होत्रा बॉलीवुड के एक पॉपुलर एक्टर हैं, जिन्होंने 2012 में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से करियर की शुरुआत की थी. उस समय इंडस्ट्री में नए होने के बावजूद, उन्होंने 'एक विलेन', 'कपूर एंड सन्स', 'शेरशाह' और 'मिशन मजनू' जैसी कई बड़ी फिल्में भी कीं. कड़ी मेहनत से सिद्धार्थ आज बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा एक्टर्स में से एक बन गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, एक फिल्म के लिए 15 करोड़ रुपये तक चार्ज करते हैं. वहीं, ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए भी तगड़ी कमाई करते हैं. एक्टर की नेटवर्थ 105 करोड़ रुपये बताई जा रही है.

अभिषेक शर्मा का तूफानी शतक, 30 गेंदों में सैकड़ा जड़कर रचा इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी-20 मुकाबले में भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया है। अभिषेक ने महज 30 गेंदों में अपना टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया और टेस्ट खेलने वाले देशों के खिलाफ सबसे तेज टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। शतक पूरा करने के दौरान उन्होंने नौ चौके और 10 छक्के लगाए। अभिषेक की पारी का अंत 10वें ओवर में राशिद खान ने विकेटकीपर गुरबाज के हाथों कैच कराकर किया। अभिषेक ने 34 गेंदों पर 108 रन बनाए। उन्होंने 11 छक्के और 9 चौके लगाए। **टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक**

साहिल चौहान – 27 गेंद, साइप्रस के खिलाफ, 2024
मुहम्मद फहद – 29 गेंद, बुल्गारिया के खिलाफ, 2025
अभिषेक शर्मा – 30 गेंद, अफगानिस्तान के खिलाफ, 2026
जान निकोल लॉफ्टी-ईटन – 33 गेंद, नेपाल के खिलाफ, 2024
सिकंदर रजा – 33 गेंद, गांबिया के खिलाफ, 2024
फिन एलन – 33 गेंद, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ, 2026
कुशल मल्ला – 34 गेंद, मंगोलिया के खिलाफ, 2023

मप्र के मुख्य प्रशिक्षक शिव कुमार को टीम चयन के लिए अंतरराष्ट्रीय चयन समिति में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

भोपाल । मध्य प्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी, भोपाल के मुख्य प्रशिक्षक शिव कुमार प्रसाद को अंतरराष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता आईएसएफ जिम्नेसियाड 2026 के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम के चयन के लिए चयन समिति का सदस्य नामित किया गया है। यह जानकारी स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पार्थ सुरेश दोषी द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के माध्यम से दी गई है। जनसंपर्क अधिकारी दुर्गेश रायकवार ने बताया कि ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में 3 से 8 दिसंबर तक आयोजित होने वाली इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम के चयन में प्रसाद अपनी भूमिका निभाएंगे। गोवा में 6 एवं 7 अक्टूबर को होने वाले अंडर-18 बालक एवं बालिका वर्ग के चयन ट्रायल के माध्यम से भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। शिव कुमार प्रसाद को सौंपी गई यह जिम्मेदारी भारतीय एथलेटिक्स टीम के चयन की प्रक्रिया में उनके अनुभव एवं विशेषज्ञता के माध्यम से योगदान देने का अवसर प्रदान करेगी।

उत्तराखंड प्रीमीयर लीग में नैनीताल टाइगर्स ने मुरादाबाद के युवा क्रिकेटर नक्श सिंह को चुना

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में रहने वाले युवा क्रिकेटर नक्श सिंह का चयन उत्तराखंड प्रीमीयर लीग के लिए नैनीताल टाइगर्स की ओर से किया गया है। चैंपियनशिप के अंतर्गत 21 सितंबर से 01 अक्टूबर तक देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित होगी। एसआर क्रिकेट अकादमी मुरादाबाद में क्रिकेट कोच शिवम शर्मा ने बताया कि खिलाड़ी नक्श सिंह राइट हैंड के बेस्टमैन और विकेटकीपर हैं। नक्श सिंह ने अपनी मेहनत और खेल के प्रति कर्तव्य निष्ठा से नैनीताल टाइगर्स में जगह बनाई है। खिलाड़ी नक्श सिंह अपनी बैटिंग और विकेट कीपिंग के माध्यम से उत्तराखंड क्रिकेट प्रीमियर लीग में नैनीताल टाइगर्स को अव्वल स्थान दिलाने में सफल होंगे।

एशियाई खेल : भारतीय सर्फिंग कोच समाई रेबूल बोले-2028 का ओलंपिक हमारा अंतिम लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय सर्फिंग टीम के मुख्य कोच समाई रेबूल ने कहा है कि 2026 एशियाई खेल भारतीय सर्फिंग के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, लेकिन उनका अंतिम लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारतीय सर्फरों को पहुंचाना है। फ्रांस में जन्मे रेबूल 2024 से भारतीय सर्फिंग महासंघ के मुख्य कोच हैं और चार सदस्यीय भारतीय टीम की तैयारियों का नेतृत्व कर रहे हैं। आइची-नागोया एशियाई खेलों में सर्फिंग छह नए खेलों में शामिल है। प्रतियोगिता 25 सितंबर से प्रसिद्ध पैसिफिक लॉन्ग बीच पर होगी। भारत पुरुषों और महिलाओं की शॉर्टबोर्ड स्पर्धा में दो-दो खिलाड़ियों के साथ उतरेगा। पुरुष वर्ग में किशोर कुमार और सिवाराज बाबू तथा महिला वर्ग में तमिलनाडु की कमाली मूर्ति और गोवा की शुगर शांति बनारसे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। एशियाई खेलों में सर्फिंग के जरिए 2028 ओलंपिक के लिए कोटा स्थान भी उपलब्ध होंगे।रेबूल के साथ संजय सेल्वामणि कोचिंग स्टाफ में उनके डिप्टी की भूमिका निभा रहे हैं। सेल्वामणि कोवलम से जुड़े भारतीय प्रतिस्पर्धी सर्फिंग के अग्रदूत और पेशेवर सर्फ प्रशिक्षक हैं।

भारतीय महिला टीम ने जापान को 8 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

भारतीय टीम अब सेमीफाइनल में बांग्लादेश से भिड़ेगी

एजेंसी

निशिन (जापान)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन खेलों में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए शुक्रवार को जापान को 8 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां भारतीय टीम का समाना बांग्लादेश से होगा। रविवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान का मुक़ाबला श्रीलंका से होगा, और उसके बाद दोपहर में भारत का मुक़ाबला बांग्लादेश से होगा। जापान के खिलाफ मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जापान की टीम 19.5 ओवरों में केवल 57 रनों पर सिमट गई। जापान की तरफ से

अयाका काटो-स्टैफ़ोर्ड ने 47 गेंदों पर सर्वाधिक 25 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने 2 चौके लगाए। स्टैफ़ोर्ड के अलावा हारुना इवासाकी ने 22 गेंदों पर 1 चौके की बदौलत 10 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी जापानी बल्लेबाज दहाई के स्कोर तक नहीं पहुंचा। जापान ने अपनी पूरी पारी में केवल तीन चौके लगाए। भारत की तरफ से श्री चरणी ने 4, शेफाली वर्मा ने 2, दीप्ति शर्मा और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लियाए जबकि दो बल्लेबाज रन आउट हुईं। 58 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली वर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई और पहले ही ओवर में 4 चौके जड़ दिये। हालांकि दूसरे ओवर में नानोहा यासुमोटो ने जी.कमालिनी (00) को पवेलियन भेज भारत को पहला झटका दिया। उन्होंने दूसरे ओवर में कोई रन नहीं दिया और कमालिनी का विकेट लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आईं भारती फूलमाली भी कुछ खास नहीं कर सकीं और अयाका काटो-स्टैफ़ोर्ड का शिकार बनीं। भारती ने 6 रन बनाए। हालांकि दूसरी तरफ से शेफाली ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर भारतीय टीम को 8 विकेट से आसान जीत दिलाई। शेफाली ने 15 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के लगाए, ऋचा घोष ने उनका अच्छा साथ दिया।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के कोच बेन सॉयर का चार साल बाद कार्यकाल समाप्त

एजेंसी

वेलिंगट,। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने महिला टीम की मुख्य कोच बेन सॉयर के अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। चार साल तक टीम की जिम्मेदारी संभालने वाले सॉयर का कार्यकाल दिसंबर 2026 तक था, लेकिन महिला क्रिकेट की उच्च प्रदर्शन संरचना की व्यापक समीक्षा के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बदलाव का निर्णय लिया। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, समीक्षा में महिला टीम के लिए एक नई 'परफॉर्मेंस लीड' भूमिका की जरूरत सामने आई है। इसके अलावा, रैचल पेटिट के पास मौजूद मैनेजर का पद भी समाप्त कर दिया गया है।अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए अंतरिम मुख्य कोच और टीम मैनेजर टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे। स्थायी मुख्य कोच और परफॉर्मेंस लीड के पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए न्यूजीलैंड की टीम की घोषणा अक्टूबर की शुरुआत में की जाएगी। सॉयर ने जून 2022 में न्यूजीलैंड महिला टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उनके कार्यकाल में टीम ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता और सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में 2024 आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का ऐतिहासिक खिताब अपने नाम किया। जॉर्जिया प्लिमर, ईडन कार्सन और इज़ी गेज जैसी युवा खिलाड़ियों ने भी सॉयर के कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई और विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा बनीं।

शतरंज ओलंपियाडः भारत ने इंडोनेशिया को 2.5-1.5 से हराया

महिला टीम ने फिनलैंड को दी मात

एजेंसी

समरकंद। शतरंज ओलंपियाड के दूसरे दौर में भारत ने ओपन और महिला दोनों वर्गों में जीत दर्ज की। ओपन वर्ग में भारत को इंडोनेशिया के खिलाफ 2.5-1.5 की जीत के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, जबकि महिला टीम ने फिनलैंड को 3.5-0.5 से हराकर आसान जीत दर्ज की। पहले दौर में आराम दिए जाने के बाद वापसी कर रहे आर. प्रज्ञानानंद ने शीर्ष बोर्ड पर काले मोहरों से इंडोनेशिया के सुशांतो मेगारांतो के खिलाफ लंबा मुकाबला खेला। खेल एंडगेम तक पहुंचा और 79 चालों के बाद दोनों खिलाड़ियों ने ड्रॉ पर सहमति जताई।

निहाल सरीन ने भारत को पहली सफलता दिलाई। सफेद मोहरों से आईएम आरिफ अब्दुल हाफिज के खिलाफ खेलते हुए निहाल ने धीरे-धीरे दबाव बढ़ाया और अंतिम चरण में सामरिक बढ़त हासिल कर ली। हाफिज ने 37.एनसी5+ के बाद बाजी छोड़ दी। यह ओलंपियाड में निहाल की लगातार दूसरी जीत रही। डी. गुकेश को काले मोहरों से आईएम सात्रिया दुटा चहाया के खिलाफ जीत का रास्ता नहीं मिला। स्थिति सरल होने

के बाद गुकेश ने लगातार क्वीन चेक के जरिए मुकाबला बराबर रखा और 51.क्यूडी1+ के बाद ड्रॉ हुआ।विदित गुजराती और आईएम नायका बुधिधर्मा के बीच मुकाबला भी बराबरी पर समाप्त हुआ। सफेद मोहरों से खेल रहे विदित ने संतुलित स्थिति हासिल की और 34.एच3 के बाद दोनों खिलाड़ियों ने अंक बांट लिए। इस तरह एक जीत और तीन ड्रॉ के साथ भारत ने मुकाबला 2.5-1.5 से अपने नाम किया। भारत ने पहले दौर में थाईलैंड को 3-1 से हराया था। उस मुकाबले में शीर्ष बोर्ड पर अर्जुन एरिगैसी को चौंकाने वाली हार मिली थी, लेकिन टीम ने जीत दर्ज की थी।दिव्या, वंतिका और सविता ने दिलाई महिला टीम को जीतमहिला वर्ग में भारत ने फिनलैंड के खिलाफ 3.5-0.5 से शानदार जीत दर्ज की। कोनेरू हम्पी को इस दौर में आराम दिए जाने के कारण वैशाली रमेशबाबू ने शीर्ष बोर्ड पर मोर्चा संभाला। उन्हें अनास्तासिया केइनानेन ने कड़ी चुनौती दी और 88 चालों के बाद मुकाबला ड्रॉ रहा।बाकी तीनों बोर्ड भारत के पक्ष में रहे। दिव्या देशमुख ने जोहाना पासिकांगस-तेल्ला को 38 चालों में हराया। वंतिका अग्रवाल ने सबसे तेज जीत दर्ज करते हुए सारा-ओलिविया सिप्पोला को केवल 22 चालों में मात दी। सविता श्री बी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए हेल्जा लेहटिनेन को 31 चालों में हराया और भारत की महिला टीम को 3.5-0.5 की जीत दिलाई। अन्य मुकाबले में जवोखिर सिंदारोव ने पेरू के डिएगो साउल रोड्री फ्लोरेस कियास के खिलाफ काले मोहरों से 32 चालों में जीत दर्ज की। टीम में वापसी कर रहे सिंदारोव ने धीरे-धीरे स्थिति पर नियंत्रण बनाया और फिर पेरू के राजा के खिलाफ हमला तेज कर दिया। फ्लोरेस कियास लगातार रक्षात्मक स्थिति में चले गए और अंततः दबाव से निकलने का कोई रास्ता नहीं मिलने पर मुकाबला छोड़ दिया।

मनु भाकर और तजिंदरपाल सिंह तूर होंगे उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक

एशियाई खेलों के 20वें संस्करण में 500 से अधिक भारतीय खिलाड़ी 37 खेलों में हिस्सा लेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में शनिवार को होने वाले एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में निशानेबाज मनु भाकर और गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर भारत के ध्वजवाहक होंगे।

एशियाई खेलों के 20वें संस्करण में 500 से अधिक भारतीय खिलाड़ी 37 खेलों में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का समापन 4 अक्टूबर को होगा। भारत के शेफ-डी-मिशन सहदेव यादव ने एक बयान में कहा, 'मनु भाकर ध्वजवाहकों में से एक होंगी।' इसके बाद भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने तजिंदरपाल सिंह तूर को दूसरा ध्वजवाहक बनाए जाने की पुष्टि की। 24 वर्षीय मनु भाकर दो बार की ओलंपिक पदक विजेता हैं। वह जापान में 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी। 31 वर्षीय तजिंदरपाल सिंह तूर एशियाई खेलों में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। उन्होंने 2018 जकार्ता और 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में गोला

फेंक में स्वर्ण पदक जीता था। पिछले संस्करण में भारत ने चीन के हांगझोउ में कुल 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण पदक शामिल थे।

डॉसन और बेंटन के दम पर इंग्लैंड ने दूसरे टी20 में श्रीलंका को छह विकेट से हराया

एजेंसी

कार्डिफ। लियाम डॉसन और टॉम बेंटन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में गुरुवार देर रात श्रीलंका को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने आक्रामक शुरुआत की। पाथुम निसांका ने जोफ्रा आर्चर के पहले ही ओवर में तीन चौके जड़ दिए, जबकि लाहिरू उदारा ने भी बाद में तेजी पकड़ी। श्रीलंका ने पांचवें ओवर के आधे पड़ाव तक 50 रन पूरे कर लिए।

इंग्लैंड के कप्तान ने पावरप्ले के अंतिम ओवर में लियाम डॉसन को गेंद सौंपी और बाएं हाथ के स्पिनर ने लगातार दो गेंदों पर विकेट लेकर श्रीलंका की रफ्तार पर अंकुश लगा दिया। निसांका 37 रन बनाकर जेमी ओवरटन का शिकार बने। ओवरटन ने इसके बाद कामिंदु मेंडिस को बोल्ड किया, जबकि डॉसन ने दासुन शनाका को आउट कर श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ा दीं। कप्तान चरिथ असलंका और वानिंदु हसरंगा ने 44 रन की साझेदारी कर श्रीलंका की पारी को संभाला। डॉसन के अंतिम ओवर में 18 रन आए, जिससे श्रीलंका ने 170 के आसपास पहुंचने की उम्मीद जगाई। हालांकि अंतिम तीन ओवरों में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की। हैरी ब्रूक का आदिल राशिद को गेंद सौंपने का फैसला कारगर रहा और राशिद ने असलंका को आउट कर दिया। इसके बाद सॉनी बेकर ने 19वें ओवर में विकेट मेडन डालते हुए हसरंगा को पवेलियन भेजा। अंतिम ओवर में आर्चर ने दो विकेट झटके और श्रीलंका ने सात रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए। पूरी टीम 20 ओवर में 145 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरे इंग्लैंड ने भी तेज शुरुआत की। एनेयूरिन डोनाल्ड ने दुश्मंथा चमीरा के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की, जबकि जोस बटलर ने दिलशान मदुशंका के एक ओवर में चार चौके जड़े। इसी दौरान बटलर टी20 क्रिकेट में 15 हजार रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बने।

डोनाल्ड और बटलर पावरप्ले में ही आउट हो गए, लेकिन इंग्लैंड की रन गति पर कोई असर नहीं पड़ा। हैरी ब्रूक ने हसरंगा के एक ओवर में तीन छक्के जड़े। ब्रूक चौथा छक्का लगाने की कोशिश में डीप स्क्वायर लेग पर शानदार कैच का शिकार हुए। इसके बाद टॉम बेंटन ने मोर्चा संभाला और लगातार आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा।

भारत ने अफगानिस्तान को तीसरे टी-20 में 127 रनों से रौंदा

तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीती नएस्थान तलाशें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने यहां अरुण जेटली स्टेडियम में 26230 दर्शकों की भारी भीड़ के सामने तीसरे और अंतिम टी-20 मैच में अफगानिस्तान को 127 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा के बेहतरीन शतक की बदौलत अफगानिस्तान के सामने 222 रनों का लक्ष्य रखा था, जवाब में अफगानिस्तान की टीम 14.1 ओवर में केवल 94 रनों पर सिमट गई।

222 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानी टीम को रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने सधी शुरुआत दिलाई। पहले दो मैचों में खाता नहीं खोल सके गुरबाज ने इस मैच में अच्छी शुरुआत की और शुरु में कुछ अच्छे शॉट लगाए। हालांकि वो अपनी पारी ज्यादा दूर तक नहीं ले जा सके। चौथे ओवर की पहली ही गेंद पर अक्षर पटेल ने 31 के कुल स्कोर पर गुरबाज़ को बोल्ड कर दिया। गुरबाज़ ने 11 गेंदों पर 3 चौके की बदौलत 15 रन बनाए। अक्षर पटेल ने इसी ओवर में 33 के कुल स्कोर पर सेदुकुल्लाह अटल को अभिषेक शर्मा को हाथों कैच कराकर अफगानिस्तान को दूसरा झटका दिया। अगले ही ओवर में 39 के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने दरविश रसूली (00) को बोल्ड कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। कप्तान इब्राहिम जादरान भी अपनी पारी को कुछ खास आगे नहीं ले जा सके और छठे ओवर में 47 के कुल स्कोर पर यश ठाकुर ने उन्हें ईशान किशन के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। जादरान ने 16 गेंदों पर 1 छक्के और 4 चौके की बदौलत 25 रन बनाए। अफगानिस्तान ने पावर प्ले की समाप्ति पर 4 विकेट पर 51 रन बना लिए। आठवें ओवर की पहली गेंद पर अक्षर पटेल की गेंद पर तिलक वर्मा ने नूर उल रहमान का आसान से कैच छोड़ दिया। रहमान उस समय 6 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। रहमान ने लॉन्ग ऑफ की तरफ हवा में शॉट खेलने की कोशिश की लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही, वहां तिलक ने एक आसान सा कैच छोड़ दिया, गेंद सीधे उनके हाथों में आई और फिसल गई। अगली ही गेंद पर संजू सैमसन ने भी रहमान को जीवन दान दे दिया और आसान सा स्टम्प छोड़ दिया। हालांकि नूर रहमान अपनी पारी को ज्यादा दूर तक नहीं ले जा सके और नौवें ओवर में रवि बिश्नोई ने उन्हें अपना शिकार बनाया। रवि बिश्नोई से रहमान को नीतीश रेड्डी ने कैच आउट किया! रहमान ने 15 गेंदों पर 2 चौकों की बदौलत 11 रन बनाए। 12वें ओवर में नीतिश कुमार रेड्डी ने 81 के कुल स्कोर पर मोहम्मद नबी को बोल्ड कर अफगानिस्तान को छठा झटका दिया। नबी ने 9 गेंद पर 8 रन बनाए। रेड्डी ने इसी ओवर में अजमतुल्लाह ओमरजई को आउट कर अफगानी टीम को सातवां झटका दिया। यह विकेट 82 के कुल स्कोर पर गिरा। ओमरजई ने 13 गेंदों पर 17 रन बनाए। रेड्डी ने इसी ओवर में मुजीब उर रहमान (00) को भी बोल्ड कर दिया और अफगानिस्तान को आठवां झटका दिया। यह इस ओवर में रेड्डी का तीसरा विकेट रहा।

भारत-अफगानिस्तान 'द फ्रेंडशिप कप' पर रोहन जेटली ने जताया उत्साह, कहा-

क्रिकेट ने दोनों देशों को करीब लाने में निभाई अहम भूमिका

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने भारत और अफगानिस्तान के बीच खेली गई 'द फ्रेंडशिप कप' टी-20 श्रृंखला के सफल आयोजन पर खुशी जताई है। उन्होंने भारत को तीन मैचों की श्रृंखला में 3-0 से जीत की बधाई देते हुए कहा कि यह श्रृंखला क्रिकेट के शानदार उत्सव के साथ-साथ दोनों देशों के बीच मजबूत रिश्तों की भी अभिव्यक्ति बनी। रोहन जेटली ने कहा, 'भारतीय टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ यादगार 3-0 की श्रृंखला जीत के लिए बधाई। 'द फ्रेंडशिप कप' क्रिकेट का शानदार उत्सव रहा। अरुण जेटली स्टेडियम में तीनों मैचों के दौरान 85 हजार से अधिक दर्शकों की भारी मौजूदगी देखकर बेहद खुशी हुई। अफगानिस्तान से भी हजारों प्रशंसक इस अवसर का हिस्सा

बनने के लिए दिल्ली पहुंचे। पूरी श्रृंखला के दौरान स्टेडियम में नजर आया शानदार माहौल दिल्ली में क्रिकेट के प्रति लोगों के जुनून को दर्शाता है। ' उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ अपनी घरेलू श्रृंखला दिल्ली में खेलना दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों और लोगों को करीब लाने में खेल की भूमिका का बेहतरीन उदाहरण रहा। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पड़ोसी देशों के साथ मजबूत संबंधों के दृष्टिकोण के अनुरूप भी बताया। डीडीसीए अध्यक्ष ने कहा, 'हम अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और आईसीसी अध्यक्ष जय शाह के सहयोग और प्रयासों के लिए आभारी हैं, जिनकी वजह से यह श्रृंखला संभव हो सकी और दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इस यादगार अध्याय का हिस्सा बनने का अवसर मिला। ' उन्होंने कहा, 'हमें गर्व है कि डीडीसीए और दिल्ली भारत तथा अफगानिस्तान के बीच तीन रोमांचक मुकाबलों की मेजबानी में अपनी भूमिका निभा सके। इससे प्रशंसकों को दोनों टीमों के बीच शानदार और उच्च स्तर का क्रिकेट देखने का अवसर मिला। '

हार्दिक पांड्या पूरी तरह फिट नहीं हैं, उनकी वापसी के लिए जल्दीबाजी नहीं करेंगे: गौतम गंभीर

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अभी वनडे में अपने पूरे 10 ओवर फेंकने के लिए फिट नहीं हैं। उन्हें जल्दीबाजी में भारतीय टीम में नहीं लाया जाएगा। हार्दिक पांड्या इंजरी की वजह से आईपीएल 2026 के बाद से ही क्रिकेट से दूर हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 50 ओवर की सीरीज के लिए भारत ए टीम में चुना गया है, लेकिन उनका खेलना बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से मिलने वाली फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर है। हार्दिक पांड्या के फिट नहीं होने की वजह से ही नितीश कुमार रेड्डी को एशियन गेम्स की टीम से बाहर करते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली सीरीज में टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'सबसे पहले, नितीश के नजरिए से, यह वास्तव में एक अच्छी बात है कि उन्हें टी20 फॉर्मेट से हटा दिया गया है। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने का समय मिलेगा। हम जानते हैं कि शायद एक साल में जब हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया जाएंगे तो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अहम होंगे। ' उन्होंने कहा, 'एक बार हार्दिक वापस आ जाएगा, तो जाहिर है यह अच्छा होगा। कभी-कभी हम उन दोनों को प्लेइंग 11 में भी खिला सकते हैं। हार्दिक इस समय 10 ओवर नहीं फेंक सकता है। आईपीएल के बाद से उन्होंने क्रिकेट नहीं खेला है। इसलिए हम उसे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में धकेलना नहीं चाहते क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट आपके शरीर के लिए भी बहुत कठिन हो सकता है। 'गंभीर ने कहा, 'हार्दिक अगर भारत ए के लिए खेलते हैं और सबकुछ ठीक रहता है तो वह टी20 और वनडे टीम का हिस्सा बन सकते हैं। इस बीच नितीश को भी ज्यादा खेलने को मिलेगा, क्योंकि उसने भी आईपीएल के बाद से ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है। '

नितीश रेड्डी इंजरी की वजह से आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे सीरीज का हिस्सा नहीं थे। अफगानिस्तान सीरीज में वापसी करते हुए अपनी गेंदबाजी से उन्होंने प्रभावित किया है। रेड्डी सीरीज के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में 6 विकेट लिए हैं। दूसरे और तीसरे टी20 में उन्होंने 3-3 विकेट लिए।

गंभीर ने कहा, 'नितीश की गेंदबाजी हमारे लिए बहुत बड़ा प्लस पॉइंट रही है। हम उसे ज्यादातर इंटरनेशनल गेम में दिखाना चाहते हैं। हम जानते हैं कि वह कितना जरूरी है। उसके जैसे तेज गेंदबाजी करने और मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी बहुत कम हैं। वह जितनी गेंदबाजी करेगा, उतना ही बेहतर होता जाएगा। '

क्रिकेट टिकट की कालाबाजारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई: अरुण जेटली स्टेडियम के आसपास से 19 आरोपी पकड़े गए

एजेंसी

नई दिल्ली । क्रिकेट मैच की टिकट की कालाबाजारी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। क्रिकेट मैच के टिकटों को ज़्यादा कीमत पर गैर-कानूनी तरीके से बेचने और कालाबाजारी करने के आरोप में 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले भारत बनाम अफगानिस्तान फ्रेंडशिप कप टी-20 क्रिकेट मैचों के दौरान स्टेडियम और उसके आस-पास के इलाकों में क्रिकेट मैच के टिकटों की कालाबाजारी, दलाली और गैर-कानूनी तरीके से दोबारा बिक्री के बारे में खास जानकारी मिली थी। इसके बाद आई.पी. एस्टेट पुलिस स्टेशन के एसएचओ इंस्पेक्टर नरेश कुमार की देखरेख में एक खास एंटी-टाउटिंग टीम बनाई गई। टीम ने स्टेडियम के आसपास खुफिया जानकारी जुटाने, चुपचाप जांच-पड़ताल करने और निगरानी रखने का काम किया। दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन और उससे सटे इलाकों जैसी संवेदनशील जगहों पर भी अतिरिक्त पुलिसकर्मी और बीट स्टाफ तैनात किए गए। तैनात टीमों को खास तौर पर निर्देश दिए गए कि वे संदिग्ध लोगों की पहचान करें, टिकट की दलाली के बारे में स्थानीय खुफिया जानकारी जुटाएं और मैच के टिकटों की गैर-कानूनी बिक्री या दोबारा बिक्री में शामिल पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें।

दिल्ली से गुजरात तक फैले नार्को-एक्सटॉर्शन नेटवर्क पर कार्रवाई, 12 करोड़ की हेरोइन बरामद

नई दिल्ली । दिल्ली से गुजरात तक फैले नार्को-एक्सटॉर्शन नेटवर्क पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बड़ा शिकंजा कसा है। दिल्ली पुलिस और गुजरात क्राइम ब्रांच के जॉइंट ऑपरेशन में 2 किलो पाकिस्तानी मूल की हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी कीमत करीब 12 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस कार्रवाई में रोहित गोदारा और महेंद्र डेलाना गैंग से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 31 साल के कुलदीप स्वामी के रूप में हुई है, जो राजस्थान के चुरू का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, कुलदीप स्वामी एक बड़े नार्को-एक्सटॉर्शन मॉड्यूल का हिस्सा था और गुजरात के वडोदरा में दर्ज करीब 10 करोड़ रुपए के हाई-प्रोफाइल एक्सटॉर्शन केस में वॉन्टेड था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 किलो हाई-क्वालिटी हेरोइन, एक मारुति स्विफ्ट डिजायर कार और हवाला टोकन वेरिफिकेशन में इस्तेमाल होने वाला करेंसी नोट बरामद किया है। खास बात यह है कि बरामद कार में एक सीक्रेट कैविटी भी बनाई गई थी, जिसका इस्तेमाल नशे की तस्करी के लिए किया जाता था। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। जांच में इस नेटवर्क के तार गैंगस्टर रोहित गोदारा और महेंद्र डेलाना से जुड़े होने के साथ-साथ पाकिस्तान से जुड़े नारकोटिक्स लिंक की भी जांच की जा रही है।

60 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को दिल्ली पुलिस ने गुजरात से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के सफदरजंग एन्क्लेव पुलिस स्टेशन की टीम ने गुजरात के खेड़ा निवासी 24 वर्षीय आरोपी यश कैलाश बुलचंदानी को गिरफ्तार कर धोखाधड़ी का एक मामला सुलझाया है। ऑपरेशन के दौरान, उसके पास से लगभग 96 ग्राम पिघला हुआ सोना, सोने के दो सिक्के, सोने की एक चेन, हीरे का एक सेट और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। आरोपी ने एक महीने पहले वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि सफदरजंग एन्क्लेव पुलिस स्टेशन में लगभग 60 लाख की ज्वेलरी और कैश की धोखाधड़ी के संबंध में एफआईआर दर्ज की गई थी। मामले को सुलझाने के लिए एक विशेष टीम बनाई गई। यह टीम इंस्पेक्टर रजनीश कुमार के नेतृत्व में जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि शिकायतकर्ता सोशल मीडिया के जरिए आरोपी के संपर्क में आई थी। आरोपी ने खुद को इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट बताकर उसका भरोसा जीता और बाद में उसे इन्वेस्टमेंट के नाम पर पैसे और ज्वेलरी देने के लिए राजी कर लिया। 9 अगस्त को आरोपी दिल्ली में शिकायतकर्ता से मिला और कथित तौर पर उसका मोबाइल फोन, ज्वेलरी और एक बैग लेकर भाग गया, जिसमें 14 लाख कैश और एक क्रेडिट कार्ड था।

आरक्षण के मुद्दे पर आजाद समाज पार्टी का ऐलान, 24 सितंबर को जंतर-मंतर पर होगा प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिवसीय प्रदर्शन करेगी।आजाद समाज पार्टी के प्रमुख और सांसद चंद्रशेखर ने घोषणा की कि उनकी पार्टी आरक्षण के मुद्दे को लेकर 24 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी स्थित जंतर-मंतर पर एक राजधानी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, '24 सितंबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन होगा। हम देखेंगे कि सरकार हमसे भी उसी तरह बातचीत करती है और उचित कार्रवाई करती है या नहीं, जैसे वह आरक्षण का विरोध करने वालों से बातचीत कर रही थी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए पदोन्नति में आरक्षण का मुद्दा वर्ष 2012 से लंबित है।' इस दौरान चंद्रशेखर ने बाराबंकी में उनके काफिले पर हुए कथित हमले को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। वह निषाद समुदाय के व्यापारी विनोद कुमार साहनी के परिवार से मिलने जा रहे थे, जिनकी कथित तौर पर सोशल मीडिया विवाद के बाद हत्या कर दी गई थी। घटना को 'साजिश' बताते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे मारने की कोशिश की गई।

मुख्यमंत्री ने की अंगदान अभियान की शुरुआत

अंगदान के लिए भरा संकल्प पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 अक्टूबर तक आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत अंगदान संकल्प अभियान की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य अंगदान को बढ़ावा देना, प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) सेवाओं को मजबूत करना और नागरिकों को अंगदान का संकल्प लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। मुख्यमंत्री ने स्वयं अगंदान की घोषणा की और इसके लिए संकल्प पत्र भी भरा।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से दिल्ली सचिवालय में इस अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें एक पोर्टल लॉन्च किया गया। इसके द्वारा दिल्ली के नागरिक अंगदान संकल्प अभियान से ऑनलाइन जुड़कर अंगदान का संकल्प कर सकते हैं। दिल्ली सरकार ने इसके लिए पोर्टल (https://cfwcst.delhi.gov.in/dhb/OrganTissuePledge.asp&) उपलब्ध कराया है। पोर्टल पर

पंजीकरण करने के बाद डिजिटल प्रतिज्ञा प्रमाण-पत्र स्वतः तैयार हो जाता है, जिसे नागरिक डाउनलोड कर सकते हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अंगदान सेवा संकल्प की सच्ची भावना को दर्शाता है। एक व्यक्ति के इस उदार और नेक संकल्प से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने दिल्लीवासियों से इस अभियान में सक्रिय भागीदार बनने और अंगदान का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि अंगदान का यह अभियान प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे मरीजों को जीवन की नई उम्मीद देने के साथ-साथ समाज में अंगदान के उद्देश्य को भी नई दिशा देने की क्षमता रखता है। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से अंगदान को जनता की भागीदारी वाला आंदोलन बनाया जा सकता है।

अंगदान और अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण के बेहतर समन्वय तथा अंग एवं ऊतक (टिश्यू) दान को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार ने जीबी पंत अस्पताल में स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ) को भी कार्यशील किया है। इसके माध्यम से दिल्ली में अंग और ऊतक दान से जुड़ी गतिविधियों के समन्वय और उन्हें बढ़ावा देने को मजबूत किया जाएगा। अंगदान प्रतिज्ञा अभियान के तहत सेवा संकल्प अभियान की भावना के अनुरूप नागरिकों तक पहुंचने के लिए विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल किया जाएगा। इनमें डिजिटल प्लेटफॉर्म, जागरूकता अभियान, शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य सुविधाएं और सामुदायिक स्तर की गतिविधियां शामिल हैं।

इस पहल का उद्देश्य अंगदान को केवल जागरूकता तक सीमित न रखते हुए इसे जनता की भागीदारी वाला आंदोलन बनाना है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक अंगदान के लिए आगे आएं और इस जीवनदायी पहल में अपना योगदान दें।

दिल्ली विधानसभा में जगमगाए हजारों 'आशीर्वाद के दीये'

दिल्ली विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी 'आशीर्वाद के दीये' प्रज्वलन कार्यक्रम में सहभागिता की।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर दिल्ली विधानसभा परिसर में हजारों 'आशीर्वाद के दीये' प्रज्वलित किए गए, जिससे परिसर में उत्सव और मंगलमय वातावरण रहा। प्रधानमंत्री के प्रति सम्मान और अभिनंदन व्यक्त करने तथा इस विशेष अवसर को यादगार बनाने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों मिट्टी के दीयों की रोशनी से दिल्ली विधानसभा का ऐतिहासिक परिसर जगमगा उठा। दिल्ली विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी 'आशीर्वाद के दीये' प्रज्वलन कार्यक्रम में सहभागिता की। यह जानकारी विज्ञप्ति के जरिए दी गई।यह अवसर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और जनसेवा के प्रति समर्पण के सम्मान के रूप में भी मनाया गया। 'आशीर्वाद के दीयों' का प्रज्वलन देशवासियों की सामूहिक शुभकामनाओं तथा प्रधानमंत्री के राष्ट्र के विकास, प्रगति और परिवर्तन में योगदान के प्रति सम्मान एवं सराहना का प्रतीक रहा। दिल्ली विधानसभा के ऐतिहासिक परिसर में आयोजित यह कार्यक्रम एक मजबूत, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र की दिशा में भारत की विकास यात्रा को रेखांकित करने वाला रहा। यह कार्यक्रम 'विकसित भारत' के विजन को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें देश बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास और सामाजिक विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हजारों दीयों का प्रज्वलन आशा, आकांक्षा और विकसित भारत के निर्माण में सामूहिक संकल्प का संदेश देता है तथा एक आत्मविश्वासी, प्रगतिशील और आत्मनिर्भर भारत के प्रधानमंत्री के विजन के प्रति सम्मान व्यक्त करता है।

ताहिरपुर कुष्ठ परिसर में 'आशीर्वाद का दीया' अभियान के तहत 2,000 दीप प्रज्वलित

एजेंसी

नई दिल्ली। । दिल्ली के समाज कल्याण विभाग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर 'आशीर्वाद का दीया' अभियान के अंतर्गत ताहिरपुर कुष्ठ परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों, स्वयंसेवियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर राष्ट्रसेवा की कामना करते हुए दीप प्रज्वलित किए। इस अवसर पर परिसर में निवास कर रहे कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों द्वारा 2,000 दीप प्रज्वलित किए गए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामनाओं से सजी फूलों की रंगोली को सैकड़ों दीपों से समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और सांसद मनोज तिवारी ने स्वयंसेवियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर रोशन किया। इस अवसर पर मंत्री इन्द्राज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों के बीच 'आशीर्वाद का दीया' जलाकर उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करना सेवा और सम्मान की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ताहिरपुर कुष्ठ परिसर समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण परिसर है और यहां निवास कर रहे लोगों की सुविधाओं, आवास तथा अन्य आवश्यकताओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

मंत्री इंद्राज ने कहा कि परिसर के निवासियों द्वारा उनके समक्ष रखी गई मांगों पर सरकार गंभीरता सेह्व विचार करेगी। उन्होंने पेंशन में वृद्धि, परिसर के नवीनीकरण तथा आवश्यक सुविधाओं में सुधार का आश्वासन देते हुए कहा कि कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों के सम्मान और कल्याण से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

एमसीडी ने सभी 12 जोनों में शुरू किया 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शहर के सभी 12 जोनों में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान की शुरुआत की। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस मासव्यापी अभियान के तहत स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने, स्रोत पर कचरा पृथक्करण को बढ़ावा देने, सार्वजनिक स्थलों की सफाई सुनिश्चित करने और स्वच्छता अभियानों में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

अभियान के पहले दिन विभिन्न जोनों में कई स्वच्छता संबंधी गतिविधियां आयोजित की गईं। सेंट्रल जोन के करमपुरा वार्ड में सफाई कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। वहीं, पूर्वी जोन के वार्ड-214, आजाद नगर स्थित मलेरिया कार्यालय में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। हेडगेवार अस्पताल, विश्वास नगर में मलेरिया कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली।

इसके अलावा ओखला डंपसाइट पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कर जनप्रतिनिधियों और स्थानीय निवासियों को वहां चल रहे बायोमाइनिंग एवं बायोरेमेडिएशन कार्यों की जानकारी दी गई। इसमें करीब 50 लोगों ने भाग लिया। इनमें जोन की वार्ड समिति के अध्यक्ष भी शामिल रहे।

पश्चिमी जोन में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान को लेकर वार्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जनभागीदारी को मजबूत करने पर चर्चा हुई। जनप्रतिनिधियों को आरडब्ल्यूए, एमटीए और स्थानीय नागरिकों के साथ समन्वय कर स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अभियान के दौरान एमसीडी की ओर से 'सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर' आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, झुग्गी बस्तियों, अस्पतालों, पार्कों, डीएमआरसी स्टेशनों, बस अड्डों और रेलवे पटरियों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाए जाएंगे। चिन्हित क्लीनलिनेस टारगेट यूनिट्स को स्वच्छ एवं बेहतर बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। एमसीडी के अनुसार अभियान के तहत चार-तरफा स्रोत पृथक्करण, होम कम्पोस्टिंग, कचरे का जिम्मेदारीपूर्वक हस्तांतरण, कूड़ा न फैलाने और प्लास्टिक-मुक्त व्यवहार को बढ़ावा दिया जाएगा। खुले में कचरा जलाने के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया जाएगा।

अभियान में जीरो वेस्ट कॉलोनियों के निर्माण और उन्हें मजबूत करने पर भी विशेष जोर रहेगा। एमसीडी के मुताबिक 800 से अधिक कॉलोनियों को पहले ही जीरो वेस्ट कॉलोनी घोषित किया जा चुका है। अभियान के दौरान 400 से अधिक अतिरिक्त कॉलोनियों को जीरो वेस्ट कॉलोनी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा कचरा बीनने वालों को औपचारिक कचरा संग्रहण व्यवस्था से जोड़ने, होटल, ढाबों और फूड स्टॉल्स को स्वच्छता गतिविधियों में शामिल करने तथा सार्वजनिक शौचालयों की स्वच्छता और रखरखाव में सुधार के लिए भी कदम उठाए जाएंगे। ओखला, भलस्वा और गाजीपुर डंपसाइटों पर पुनःप्राप्त भूमि के उत्सव कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। वार्ड स्तर पर निरंतर स्वच्छता और प्रभावी कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए 'स्वच्छता ही सेवा-सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ वार्ड पुरस्कार' भी प्रदान किया जाएगा। अभियान को एमसीडी के संबंधित विभागों, जोनल टीमों, कचरा संग्रहण एजेंसियों और सहयोगी एजेंसियों के समन्वय से संचालित किया जाएगा।

भाजपा ने सफाईकर्मी की आत्महत्या मामले में आआपा पार्षद पर आर्थिक धोखाधड़ी का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के त्रिलोकपुरी से निगम पार्षद विजय कुमार पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सफाई कर्मी दीपक के साथ आर्थिक धोखाधड़ी करने और उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। हर्ष मल्होत्रा ने आरोप लगाया कि सफाई कर्मी दीपक त्रिलोकपुरी वार्ड में कई वर्षों से कार्यरत थे और अपने परिवार के लिए मकान बनाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने पार्षद विजय कुमार से मदद मांगी थी। उन्होंने बताया कि करीब एक वर्ष पहले पार्षद ने दीपक को मकान दिलाने का भरोसा देकर 15 लाख रुपये का ऋण दिलवाया और कथित तौर पर राशि अपने खाते में स्थानांतरित करवा ली। मल्होत्रा ने आरोप लगाया कि दीपक की हस्ताक्षरित चेकबुक पार्षद ने अपने पास रख ली थी और पिछले नौ-दस महीनों से उनके वेतन की राशि भी चेक के माध्यम से निकालते थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि दीपक लगातार मकान दिलाने या पैसा वापस करने की मांग कर रहे थे, लेकिन कथित तौर पर उन्हें धमकाया गया और 25 प्रतिशत कमीशन की मांग की गई। मल्होत्रा ने कहा कि आर्थिक परेशानी के कारण दीपक मानसिक रूप से परेशान रहने लगे और अपने परिजनों एवं मित्रों से कहते थे कि उन्हें कुछ होने पर इसके लिए पार्षद विजय कुमार जिम्मेदार होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दीपक ने एक सितंबर को आत्महत्या कर ली। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद भी पार्षद की ओर से परिवार को डराने-धमकाने का प्रयास किया गया। मामले की जानकारी 7-8 सितंबर के आसपास भाजपा नेताओं को हुई।

मेगा रक्तदान शिविर में मुख्यमंत्री किया रक्तदान, 2,080 यूनिट किया गया रक्त एकत्र

रक्तदान केवल रक्त देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और आत्मीयता के पावन बंधन को मजबूत करने वाला संकल्प है।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत दिल्ली सरकार द्वारा त्यागराज स्टेडियम में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वयं रक्तदान कर अभियान में सहभागिता की और दिल्लीवासियों से मानवता की सेवा के लिए आगे आने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के निस्वार्थ और समर्पित सार्वजनिक जीवन से प्रेरणा लेते हुए 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से दिल्ली में सेवा और जनभागीदारी की भावना को मजबूत किया जा रहा है। रक्तदान केवल रक्त देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और आत्मीयता के पावन बंधन को मजबूत करने वाला संकल्प है।

शिविर में 2,080 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री, विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि रक्तदान महादान है और किसी जरूरतमंद का जीवन बचाने से बड़ा सेवा कार्य कोई नहीं। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए जनसेवा का यह संकल्प सभी को निरंतर सेवा के लिए प्रेरित करता रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर नागरिकों की ओर से सेवा, सहयोग और मानवता का यह संकल्प एक सार्थक संदेश देता है।

उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि जो नागरिक आज रक्तदान नहीं कर पाए, वे भविष्य में पात्र होने पर स्वैच्छिक रक्तदान करें और सेवा के इस अभियान का हिस्सा बनें। रक्तदान केवल जीवनदान नहीं, बल्कि मानवता और राष्ट्र के प्रति हमारा पावन कर्तव्य है। उन्होंने सेवा के इस संकल्प में सहभागी बन रही पूरी 'टीम दिल्ली' को नमन किया और सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सेवा और जनभागीदारी की भावना के साथ आज दिल्ली में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री की जनसेवा की भावना से प्रेरित होकर दिल्ली के हजारों लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान में भाग लिया।

विजय चौक पर 'आशीर्वाद का दीया', एनडीएमसी ने जलाए 1.25 लाख दीये

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (एनडीएमसी) ने 'सेवा दिवस' के रूप में मनाते हुए नई दिल्ली के विजय चौक पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान कर्तव्य पथ से सेवा तीर्थ तक 1.25 लाख मिट्टी के दीये प्रज्वलित किए गए। 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री एवं दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल, एनडीएमसी परिषद् सदस्य दिनेश प्रताप सिंह, एनडीएमसी सचिव राहुल सिंह सहित हजारों एनडीएमसी कर्मचारी, विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के 140 करोड़ नागरिकों की निरंतर सेवा की है। उनके जन्मदिवस पर हम सभी भारतीय उनकी सेवाओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें केवल अपना आशीर्वाद दे सकते हैं। ऐसा आशीर्वाद, जिसमें उनकी दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर

ऊर्जावान जीवन की कामना निहित है। उन्होंने कहा कि सभी की यही कामना है कि प्रधानमंत्री जी स्वस्थ रहें और इसी प्रकार निरंतर देश की सेवा करते हुए भारत को विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ाते रहें तथा राष्ट्र निर्माण में हम सभी का मार्गदर्शन करते रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कर्तव्य पथ पर, सेवा तीर्थ के बाहर जिस प्रकार दिल्लीवासियों ने अपने घरों से 'आशीर्वाद का एक दीया' जलाया, वह प्रधानमंत्री जी के प्रति जनमानस के स्नेह, सम्मान और विश्वास की सुंदर अभिव्यक्ति है। उन्होंने दिल्ली की जनता का कोटि-कोटि धन्यवाद करते हुए कहा कि नागरिकों ने अपने आशीर्वाद के माध्यम से न केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शुभकामनाएं दी हैं, बल्कि निरंतर कार्य करने वाली सरकार और ऐसे नेतृत्व को भी अपना आशीर्वाद दिया है, जिसने बिना रुके और बिना थके देश की सेवा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी को कोटि-कोटि नमन करता है। उन्होंने दिल्ली के प्रत्येक घर से जलाए गए 'आशीर्वाद के दीये' के लिए दिल्लीवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस विशेष महत्व रखता है, क्योंकि उनके सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण हुए हैं। इसी विशेष अवसर पर देशभर के लोग उन्हें अपनी शुभकामनाएं और शुभाशीष देने के लिए 'आशीर्वाद का दिया' जला रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दीया देशवासियों के स्नेह, सम्मान और प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। मल्होत्रा ने कहा कि वे प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि प्रधानमंत्री जी को दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए ऊर्जा प्रदान करें, ताकि वे इसी समर्पण के साथ देश को विकसित भारत के संकल्प की दिशा में आगे बढ़ाते रहें। इस अवसर पर नई दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि प्रधानमंत्री का आज मनाया जाने वाला जन्मदिन इस मायने में महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी वर्ष उनके राष्ट्रीय सेवा में निरन्तर कार्य करते हुए उनको 25 वर्ष भी पूर्ण हो रहे है । उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन मां भारती के के लिए समर्पित किया हुआ है , उन्हें आज आशीर्वाद के दिए से देशवासी और खासकर दिल्लीवासी उनकी स्वस्थ, कर्मशील दीर्घायु की कामना करते हुए विजय चौक पर एकत्र हुए।

मुख्यमंत्री ने 'नमो श्रमिक सेवा केंद्र' एवं गिग वर्कर्स विश्राम स्थल का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर आरंभ 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आज शालीमार बाग में 'नमो श्रमिक सेवा केंद्र' एवं गिग वर्कर्स विश्राम स्थल का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रमिक भाई-बहन उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रमिकों से संवाद भी किया और उनके अनुभव एवं सुझाव सुने। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के विकास और निर्माण में अपने श्रम, परिश्रम और लगन से महत्वपूर्ण योगदान देने वाले श्रमिक भाई-बहनों के सम्मान, सुविधा और कल्याण के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। 'सेवा संकल्प अभियान' का उद्देश्य जनसेवा को और अधिक सहज, सुलभ तथा नागरिकों के करीब पहुंचाना है। इसी संकल्प के तहत 'नमो श्रमिक सेवा केंद्र' की शुरुआत की गई है ताकि श्रमिकों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेने के लिए अलग-अलग सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नमो श्रमिक सेवा केंद्र' श्रमिकों के लिए एक सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जहां उन्हें विभिन्न सरकारी सेवाओं और श्रमिक कल्याण योजनाओं से जुड़ी आवश्यक सहायता एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। केंद्र पर श्रमिकों को पंजीकरण एवं नवीकरण में सहायता, दस्तावेजों के सत्यापन, आवेदन की स्थिति की जानकारी, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी तथा दावों से संबंधित सेवाओं के लिए मार्गदर्शन मिलेगा। इससे श्रमिकों के लिए सरकारी सेवाओं तक पहुंच अधिक आसान और सुविधाजनक होगी। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने अपने श्रम से दिल्ली को बनाने और आगे बढ़ाने में योगदान दिया है, उसे सरकारी सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े। सरकार की योजनाओं और सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सरल प्रक्रिया के माध्यम से पहुंचे, यही जनसेवा की वास्तविक भावना है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान गिग वर्कर्स विश्राम स्थल का भी शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती कार्यव्यवस्था में बड़ी संख्या में गिग वर्कर्स अपनी सेवाएं दे रहे हैं।